वर्ष : 34 | अंक : 267 | मुंबई, गुरुवार, 4 दिसंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सात दिन के शीतकालीन सत्र में खर्च होंगे 90 करोड़

महाराष्ट्र शीतकालीन सत्र 2025 पर अनुमानित 90 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सरकारी अनुमानों के मुताबिक, इस 7 दिवसीय सत्र पर होने वाला खर्च अनेक मदों पर विभाजित है; मंत्रियों, विधायकों, वरिष्ठ अधिकारियों और स्टाफ के ठहरने, सुरक्षा, कार्यालय मरम्मत और अन्य व्यवस्थाओं पर भारी राशि खर्च की जाएगी। सिर्फ विधायकों, सांसदों और उनके सहायकों के भोजन पर 40 लाख रुपए निर्धारित किए गए हैं। नागपुर की जगह पुणे में सत्र होने के कारण प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर भी बड़ा खर्च किया जा रहा है। सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, संचार सुविधाएं, मेडिकल सहायता और अग्निशमन तंत्र को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह सत्र साप्ताहिक आधार पर आयोजित होगा और इसमें प्रमुख विधायी कार्य, विभागीय समीक्षा और राज्य के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा शामिल होगी। विधान सभा के दोनों सदन, विधानसभा और विधान परिषद, इस सत्र में भाग लेंगे।

इन मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद

इस बार राज्य के किसानों, महंगाई, बेरोजगारी, स्थानीय स्वशासन निकायों के मुद्दों और आम लोगों की समस्याओं पर चर्चा होने की उम्मीद है। विपक्षी दलों द्वारा किसानों की आत्महत्या और बारिश से हुए नुकसान जैसे मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने की उम्मीद है।

स्थानीय निकाय चुनाव के बीच शीतकालीन सत्र

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/नागपुर

महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र 8 से 14 दिसंबर तक नागपुर में होगा। यह फैसला विधान भवन में हुई राज्य विधानसभा के दोनों सदनों की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में लिया गया। मीटिंग में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और अजित पवार मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा की मीटिंग 13 और 14 दिसंबर को होगी, जो शनिवार और रविवार को पड़ रही हैं। शुरुआत में घोषणा की गई थी कि शीतकालीन सत्र दो सप्ताह का होगा। हालाँकि, अब कार्यवाही रविवार को रखकर इसकी अवधि केवल एक सप्ताह रखी गई है।

- नागपुर में 8 से 14 दिसंबर तक होगा महाराष्ट्र सरकार का सत्र
- बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की अहम बैठक में लिया गया निर्णय

बड़ी घोषणा की संभावना बेहद कम

सत्र के दौरान विधायी कार्यों के साथ विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा और राज्य के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। हालांकि, 21 दिसंबर तक लागू स्थानीय निकाय चुनाव की आचार संहिता के कारण बड़ी नीतिगत घोषणाओं की संभावना कम है। इस बार सत्र में किसान मुद्दे, महंगाई, नागरिक परेशानियां और जनहित से जुड़े कई बड़े मामले प्रमुख रूप से उठने की उम्मीद है। विपक्ष किसानों की आत्महत्या, फसल नुकसान और राहत पैकेज को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

ब्रीफ न्यूज़

कैंसल करने पड़ गए 200 फ्लाइट्स, इंडिगो ने अब मांगी माफी

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनियों में से एक इंडिगो ने आज (बुधवार, 3 दिसंबर को) देश भर में करीब 200 घरेलू उड़ानें रद्द करने और उड़ानों में देरी होने के बाद माफी मांगी है। अपने बयान में विमानन कंपनी ने कहा है कि क्रू मेम्बर्स की कमी, टेक्निकल दिक्कतों और एयरपोर्ट पर भीड़ जैसी कई वजहों से उसे फ्लाइट्स कैंसल करने पड़े हैं। इस वजह से हजारों यात्रियों को परेशानी हुई। यात्रियों ने उड़ानें रद्द होने पर विमान कंपनी पर अपना गुस्सा उतारा।

कूपर अस्पताल में एमएसएफ की तैनाती को मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य सुरक्षा निगम (एमएसएससी) ने विले पार्ले स्थित डॉ. आरएन कूपर अस्पताल में महाराष्ट्र सुरक्षा बल (एमएसएफ) के जवानों की तैनाती को मंज़ूरी दे दी है, जिसके बाद बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था मज़बूत करने के लिए औपचारिक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। यह कदम पिछले महीने रेजिडेंट डॉक्टरों पर हुए हमले के बाद उठाया गया है, जिससे गंभीर सुरक्षा चिंताएँ पैदा हुई थीं और नागरिक अस्पतालों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की माँग फिर से उठी थी।

भारत को साउथ अफ्रीका ने 4 विकेट से हराया

रायपुर। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में टीम इंडिया 359 रन का टारगेट भी नहीं बचा सकी। रायपुर में बुधवार को मेहमान टीम ने 6 विकेट खोकर 50वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। टीम से ऐडन मार्करम ने सेंचुरी लगाई। वहीं डेवाल्ड ब्रेविस और मैथ्यू ब्रीट्जकी ने फिफ्टी लगाकर सीरीज 1-1 से बराबरी पर ला दी। सीरीज का तीसरा वनडे 6 दिसंबर को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी। भारत ने विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड की सेंचुरी के दम पर 358 रन बना दिए। कप्तान केएल राहुल ने फिफ्टी लगाई। साउथ अफ्रीका ने पहला विकेट 5वें ओवर में ही गंवा दिया था। यहां से ऐडन मार्करम ने कप्तान टेम्बा बावुमा के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। बावुमा 44 रन बनाकर आउट हुए। मार्करम ने फिर शतक लगाकर टीम को 200 के करीब पहुंचा दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र पुलिस को फटकारा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र पुलिस द्वारा 85 तारीखों में से 55 पर विचाराधीन कैदी को अदालत में पेश न करने के रवैये की निंदा की। अदालत ने राज्य के जेल महानिदेशक को इस मामले की जांच का आदेश दिया और उनसे रिपोर्ट पेश करने को कहा है। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपी शशि उर्फ शाही चिकना विवेकानंद जुरमानी को जमानत दे दी, लेकिन इस तथ्य को गंभीरता से लिया कि मामले में मुकदमा चलने के बावजूद, उसे अदालत द्वारा दी गई 85 तारीखों में से 55 पर अदालत में पेश नहीं किया गया।

सदानंद दाते हो सकते हैं महाराष्ट्र के नए डीजीपी

धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने एनआईए महानिदेशक सदानंद दाते को राज्य का नया पुलिस महानिदेशक (DGP) बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। वर्तमान डीजीपी रश्मि शुक्ला 31 दिसंबर को रिटायर हो रही हैं, जिसके बाद अगले दो वर्षों के लिए पूर्णकालिक डीजीपी नियुक्त किया जाएगा। सरकार ने दाते के नाम का औपचारिक प्रस्ताव केंद्र को भेज दिया है। फिलहाल यूपीएससी द्वारा तैयार होने वाला वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का पैनल घोषित होना बाकी है।

- सरकार ने केंद्र सरकार को औपचारिक प्रस्ताव भेजा
- 31 दिसंबर को रिटायर हो रही हैं रश्मि शुक्ला
- कसाब के हथगोले से लहूलुहान हुए थे सदानंद दाते

रेस में सबसे आगे हैं सदानंद दाते

सूत्रों के अनुसार दाते डीजीपी की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। राज्य सरकार ने उन्हें प्राथमिक उम्मीदवार मानते हुए केंद्र से प्रतिनियुक्ति समाप्त कर वापस बुलाने का अनुरोध किया है। प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि कानून-व्यवस्था मजबूत करने के लिए दाते सरकार की पहली पसंद हैं। हालांकि अंतिम निर्णय यूपीएससी के तीन नामों वाले पैनल पर निर्भर करेगा।

इन नाम भेजे गए थे यूपीएससी को

गृह मंत्रालय ने डीजीपी पद के लिए सात वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नाम केंद्र और यूपीएससी को भेजे थे। इनमें एनआईए प्रमुख सदानंद दाते, संजय वर्मा, रितेश कुमार, संजीव कुमार सिंघल, अर्चना त्यागी, संजीव कुमार और प्रशांत बर्डे शामिल हैं। इन्हीं में से डीजीपी पद के लिए अंतिम चयन किया जाएगा।

कौन हैं सदानंद दाते?

सदानंद दाते एक ईमानदार, साफ-सुथरी और तेजतर्रार छवि वाले 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उनका जन्म 14 दिसंबर 1966 को पुणे में हुआ था। एम.कॉम, आईसीडब्ल्यूए और पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने वाले दाते को 31 मार्च 2024 को एनआईए का डीजी नियुक्त किया गया था। वे मीरा-भाईंदर वसई-विरार के पहले पुलिस कमिश्नर भी रहे हैं और एटीएस के डीजी के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

केंद्रीय एजेंसियों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं

दाते सीबीआई में भी काम कर चुके हैं और उन्होंने पहलगाम आतंकी हमला तथा फरीदाबाद आतंकी डॉक्टर मॉड्यूल की जांच का नेतृत्व किया है। इसके अलावा मुंबई हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित कराने की प्रक्रिया में भी उनका अहम योगदान रहा है। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियानों और खुफिया समन्वय में रही है।

सम्मान और उपलब्धियां

अपने उत्कृष्ट कार्यों और नेतृत्व के लिए सदानंद दाते को राष्ट्रपति पदक सहित तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं। उनकी मजबूत प्रशासनिक छवि और अनुभव को देखते हुए उन्हें महाराष्ट्र का अगला डीजीपी बनने का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

दायित्वनामा

अहं ब्रह्मास्मि

भारत अहं ब्रह्मास्मि यानी 'मैं ही ब्रह्म हूं' के दर्शन पर जीवन जीने वाले लोगों का देश है। इसका अर्थ यह है कि इस भूमि पर जन्मे, पले, फले-फूले हर व्यक्ति में कहीं-न-कहीं यह बात जरूर होती है कि ईश्वर हमारे भीतर है, उसकी अपार शक्ति हमारे साथ है।

यह तस्वीर इसी अहं ब्रह्मास्मि का उम्दा उदाहरण है, जहां सड़क पर गहरी निद्रा में सोई स्त्री ने अपने बिस्तर पर एक स्वान को भी अभय सोने का वरदान दिया। भारत के सबसे तेज दौड़ते शहर के एक व्यस्त इलाके में भरी दोपहरी की गहरी और निश्चिंत निद्रा एकबारगी देखने में सामान्य नजर आती है, पर जैसे ही हम ठहरकर दो पल सोचते हैं, तो पता चलता है कि इस निद्रा में और अपने बिस्तर पर स्वान को स्थान देना अहं ब्रह्मास्मि का बेहतरीन उदाहरण है।

सड़क के फुटपाथ पर अपनी गृहस्थी बनाकर निश्चिंत निद्रा लेती यह महिला अपने हिस्से में एक स्वान को स्थान दे रही है। यह महिला जो शायद अनपढ़ हो, या जिसे दुनियादारी और अहं ब्रह्मास्मि का कुछ भी पता न हो, पर यह तय है कि उसे जाने-अनजाने अहं ब्रह्मास्मि का बोध जरूर है। जबकि जिन लोगों को अहं ब्रह्मास्मि का अर्थ नहीं पता होता, वे इस तरह की कल्पना भी नहीं कर सकते। यहां बेहतरीन और संसाधनों से भरे घरों में रहने वाले लोग भी डिप्रेशन का शिकार हैं। अहं ब्रह्मास्मि का मर्म न समझने वाले लोग मित्रों, परिवारजनों से भी भयभीत हैं। सारे सुख होने के बावजूद वे दुखी हैं। बेहतरीन घर और बिस्तर होने पर भी नींद नहीं है। लालच इस कदर बढ़ गया है कि वे किसी पर विश्वास नहीं कर पाते, और यदि आपके पास सहज विश्वास नहीं है, तो आप सुखी हो ही नहीं सकते। जब आप जीवन के हर पहलू पर अविश्वास करेंगे, तो अविश्वास से भय उत्पन्न होगा और भयभीत व्यक्ति सुखी नहीं हो सकता। अब सवाल यह उठता है कि अहं ब्रह्मास्मि का विश्वास से क्या संबंध है? जब हम अहं ब्रह्मास्मि के भाव से जीना शुरू करते हैं, तब हम काम, क्रोध, मद और लोभ से काफी हद तक बच जाते हैं। हमें बाहरी चीजों की बजाय भीतरी चीजें संचालित करने लगती हैं। ऐसे में भौतिक वस्तुएं हमें आनंद तो देती हैं, पर उनके अभाव में हम दुखी हों, ऐसा भी नहीं होता। अहं ब्रह्मास्मि हमें यह रास्ता देता है कि हम जो भी हैं, जो भी कर रहे हैं, वह ब्रह्म का कार्य है। संसार की चलती घड़ी में लगा हुआ एक छोटा-सा कण भर हैं हम, पर घड़ी को चलने में हमारा भी महत्वपूर्ण योगदान है। यहां हम आपके सामने अहं ब्रह्मास्मि का विषय लाना अपना दायित्व समझते हैं। क्योंकि यह देश अहं ब्रह्मास्मि के दर्शन पर टिका है, जिसमें स्वयं से प्रेम और आत्म-उत्थान की बात निहित है। सनातन धर्म की ध्वजा लिए इस देश ने दुनिया को प्रेम, भाईचारे और बंधुत्व का संदेश दिया। पूरी दुनिया प्रेम पर आधारित भारतीय आध्यात्म की ओर आशा की टकटकी लगाए देखती रही है। अहं ब्रह्मास्मि का सच्चा अर्थ यह भी है कि मैं भी ब्रह्म और मेरे साथ सोया स्वान भी।

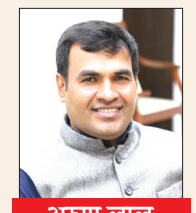

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

महात्मा फुले की जीवनी से जुड़ी फाइल मंत्रालय से गायब

अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज, जांच जारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मशहूर समाज सुधारक महात्मा फुले के जीवन पर आधारित फिल्म के निर्माण से संबंधित फाइल महाराष्ट्र राज्य सचिवालय मंत्रालय से गायब होने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। बताया गया कि यह घटना पिछले महीने उजागर हुई, जब सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय (डीजीआईपीआर) के वरिष्ठ सहायक निदेशक सागर कांबले ने मरीन ड्राइव पुलिस थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में मूल फाइल गायब केवल फोटोकॉपी मिली

शिकायत के अनुसार, मंत्रालय के भूतल स्थित कार्यालय में रखी महात्मा ज्योतिराव फुले पर आधारित फिल्म निर्माण से जुड़ी मूल फाइल गायब है और उसकी जगह केवल एक फोटोकॉपी रखी गई है। शिकायतकर्ता सागर कांबले ने जब मूल फाइल के बारे में कर्मचारियों से पूछताछ की, तो उन्होंने कोई जानकारी होने से इनकार किया और बताया कि वे उसी फोटोकॉपी के आधार पर काम कर रहे हैं। इसके बाद कांबले ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की सूचना दी। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि फाइल में 1 जनवरी 2017 से 31 मार्च 2020 तक के कुछ अहम मूल दस्तावेज शामिल थे। वरिष्ठ अधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद कांबले को पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए अधिकृत किया गया। अधिकारी के अनुसार, महाराष्ट्र लोक अभिलेख अधिनियम के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मुंबई में 19 आरएमसी संयंत्र बंद

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (MPPCB) ने मुंबई महानगर क्षेत्र में वायु प्रदूषण नियमों के उल्लंघन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 19 रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) संयंत्रों को बंद कर दिया है। इसके अलावा, कुछ अन्य उद्योगों पर आर्थिक दंड और अन्य सख्त कदम उठाए गए हैं। मुंबई महानगर क्षेत्र में 32 वातानुकूलित वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र हैं, जिनमें से 14 मुंबई में स्थित हैं।

अन्य अनधिकृत उद्योगों पर कार्रवाई

उल्लंघन करने वाली इकाइयों को बंद करने का आदेश दिया गया है, और तीनों उद्योगों की 5-5 लाख रुपये की बैंक गारंटी जब्त कर ली गई है। इसी प्रकार, नगरपालिका ने संजय गांधी नगर क्षेत्र में तीन अनधिकृत धातु प्रसंस्करण भट्टियों पर प्रतिबंध लगाया और उन्हें हटा दिया।

पुणे जमीन घोटाला

शीतल तेजवानी हुई गिरफ्तार

एजेंसी | पुणे

महाराष्ट्र के पुणे पुलिस ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार की कंपनी से जुड़े सरकारी जमीन की विवादास्पद बिक्री मामले में बड़ा कदम उठाते हुए आरोपी शीतल तेजवानी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। यह इस हाई-प्रोफाइल प्रकरण में की गई पहली गिरफ्तारी है। संयुक्त पुलिस आयुक्त रंजन कुमार शर्मा के अनुसार आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने तेजवानी को हिरासत में लिया है।

40 एकड़ सरकारी जमीन को निजी सौदे में बेचने का आरोप

तेजवानी पर आरोप है कि उन्होंने मुंढवा क्षेत्र की 40 एकड़ जमीन को 300 करोड़ रुपये में अमाडिया इंटरप्राइजेज एलएलपी—जो पार्थ पवार और दिग्विजय पाटिल की कंपनी है—को बेचने का सौदा किया। लेकिन जांच में सामने आया कि यह जमीन वास्तव में सरकारी है और इसे भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण को पट्टे पर दिया गया था।

दो और गिरफ्तारियां संभव

इस मामले में तेजवानी के अलावा पार्थ पवार के कारोबारी साझेदार दिग्विजय पाटिल और निलंबित तहसीलदार सूर्यकांत येओले को भी आरोपी बनाया गया है। येओले पर आरोप है कि उन्होंने भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण को जबरन बेदखली नोटिस जारी करते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया। मामले में धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और अन्य धाराओं में केस दर्ज है।

महाराष्ट्र में 5 दिसंबर को बंद रहेंगे स्कूल

- राज्यभर में शिक्षकों की हड़ताल का ऐलान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में 5 दिसंबर को राज्यभर के सभी स्कूल बंद रहेंगे। इसकी वजह है महाराष्ट्र स्टेट प्रिंसिपल्स एसोसिएशन द्वारा की गई राज्यव्यापी हड़ताल की घोषणा। हाल ही में पुणे में हुई बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया, जिसमें साफ कर दिया गया कि 5 दिसंबर को हर जिले के कलेक्टर ऑफिस के बाहर बड़ा मार्च निकाला जाएगा। राज्य के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं। इन मांगों को लेकर महाराष्ट्र स्टेट प्रिंसिपल्स एसोसिएशन की ओर से सभी जिलों में एकसाथ प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन का कहना है कि अब धैर्य की सीमा खत्म हो चुकी है, इसलिए सड़कों पर उतरना जरूरी हो गया है।

गेमचेंजर

मुंबई में देश की पहली शहरी टनल का काम शुरू, सीएम फडणवीस ने दबाई बटन

मुंबईकरों को अर्बन टनल की सौगात, 10 मिनट में ऑरेंज गेट से मरीन ड्राइव

दीपक पवार | मुंबई

मुंबई को कोस्टल रोड, अटल ब्रिज और मेट्रो एक्सपेंशन के बाद अब अर्बन टनल की सौगात मिलेगी। बुधवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) के बहुप्रतीक्षित अर्बन टनल प्रोजेक्ट की शुरुआत की। इसके तहत ऑरेंज गेट से लेकर मरीन ड्राइव तक 9.96 किलोमीटर लंबी शहरी सुरंग बनाई जाएगी। इसके बन जाने के बाद ऑरेंज गेट से मरीन ड्राइव की दूरी मात्र 10 मिनट में तय की जा सकेगी। योजना पर 8,056 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसमें दो लेन के साथ एक इमरजेंसी लेन भी होगी।

नंबर गेम

8056 करोड़ रुपये: प्रोजेक्ट की लागत:

54 महीने: पूरा होने में लगने वाला समय:

प्रोजेक्ट की समयसीमा

यह 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है, लेकिन इसे छह महीने पहले खत्म करने का प्रयास किया जाएगा। इस काम की जिम्मेदारी एलएंडटी कंपनी को सौंपी गई है। अगले साल वर्ली-शिवडी सी-लिंक और कोस्टल रोड कनेक्शन खुलने के बाद नवी मुंबई एयरपोर्ट जाने वाले लोगों के पास दो विकल्प होंगे।

टनल की जरूरत क्यों पड़ी?

सीएम फडणवीस ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से मुंबईवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। मौजूदा ट्रैफिक के कारण ईस्टर्न सबर्ब्स से साउथ मुंबई आने में लोगों को 20-25 मिनट तो लगते हैं, लेकिन आगे का सफर ट्रैफिक जाम में फंसने की वजह से लंबा हो जाता था। इसी तरह, वेस्टर्न सबर्ब्स और साउथ मुंबई से नवी मुंबई एयरपोर्ट तक जाने में भी लंबे रास्ते तय करने पड़ते थे। इन समस्याओं के समाधान के लिए ऑरेंज गेट टनल की योजना बनाई गई।

फ्लाईओवर विकल्प क्यों असफल रहा

फडणवीस ने बताया कि पहले इस इलाके में फ्लाईओवर बनाने का विचार था, लेकिन जगह की कमी और भारी ट्रैफिक के कारण यह संभव नहीं हो पाया। मोहम्मद अली रोड फ्लाईओवर के मुकाबले यह इलाका अधिक घनी आबादी वाला है। टनल ही एकमात्र सुरक्षित और व्यावहारिक विकल्प था। यह टनल करीब 700 प्रॉपर्टी, 100 साल पुरानी हेरिटेज बिल्डिंग और वेस्टर्न व सेंट्रल रेलवे लाइन के नीचे से गुजरेगी। मेट्रो-3 के 50 मीटर नीचे से इसे खोदा जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

नए साल में मीरा-भाईंदर बनेगा वाईफाई मुक्त

भाईंदर। ई-गवर्नेंस और डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने घोषणा की है कि मीरा-भाईंदर शहर के नागरिकों को मुफ्त और सुरक्षित वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। एमबीएमसी मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तकनीक-आधारित योजनाओं को प्रोत्साहित कर रहे हैं, और इसी पहल के तहत उभरते शहरों को मुक्त वाई-फाई नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है। एमबीएमसी आयुक्त/प्रशासक राधा बिनोद के साथ हुई बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि इस सुविधा से शहरवासियों, खासकर सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को ज्ञान, जानकारी और मनोरंजन का एक नया स्वतंत्र माध्यम प्राप्त होगा, जो शहर को तकनीक-संपन्न और स्मार्ट नगर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

येउर के बंगले में एक व्यक्ति की मौत

ठाणे। ठाणे के संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, येउर इलाके में स्थित एक बंगले में 50 वर्षीय भानु प्रसाद सिंह की हत्या का मामला सामने आया। बंगले की देखभाल करने वाले 27 वर्षीय राजकुमार यादव ने हत्या को अंजाम दिया। पुलिस ने वर्तकनगर थाने में मामला दर्ज कर यादव को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, यादव ने भानु प्रसाद को पार्टी के लिए बुलाया था। शराब पीने के दौरान दोनों के बीच बहस शुरू हुई और गालियाँबाजी होने लगी। विवाद के दौरान यादव ने झाड़ू के हैंडल से भानु प्रसाद के सिर पर हमला किया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद यादव वहीं रुका और पुलिस की कार्रवाई में उसे हिरासत में ले लिया गया।

डोंबिवली में अवैध निर्माण पर एमआरटीपी मामला दर्ज

डोंबिवली। डोंबिवली एच वार्ड के अधीक्षक प्रभाकर गंगुर्डे ने महाराष्ट्र क्षेत्रीय नगर नियोजन अधिनियम (एमआरटीपी) के तहत चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि सुरेश रामकृष्ण म्हात्रे, नवनाथ रामकृष्ण म्हात्रे, अभय शालिक म्हात्रे और राजूबाई शालिक म्हात्रे ने डोंबिवली पश्चिम वार्ड में घनश्याम गुप्ते रोड के पास शिव मंदिर के पास दो अवैध मकान और उनके सामने एक आश्रय का निर्माण किया। यह निर्माण डोंबिवली नगर पालिका से अनुमति लिए बिना किया गया था। सहायक आयुक्त राजेश सावंत ने 14 फरवरी, 2025 को नोटिस जारी कर अवैध निर्माण करने वालों से वैध दस्तावेज पेश करने को कहा था। 6 मार्च को हुई सुनवाई में किसी ने भी नगरपालिका को दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए। इसके बावजूद अवैध निर्माण जारी रहा। नगर पालिका ने म्हात्रे परिवार के निर्माण को अनधिकृत घोषित किया और तोड़फोड़ का आदेश दिया, लेकिन मकान मालिकों ने आदेश का पालन नहीं किया। दस महीने बाद वार्ड अधिकारियों ने आनन-फानन में एमआरटीपी के तहत मामला दर्ज किया। नागरिक अब एच वार्ड में सख्ती से काम करने वाले अधिकारियों की नियुक्ति की मांग कर रहे हैं।

एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण से 786 झोपड़ियाँ प्रभावित

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ट्रांस हार्बर मार्ग पर ठाणे स्टेशन की भीड़ कम करने के लिए एमआरवीसी द्वारा ऐरोली से कलवा तक एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण जारी है। लेकिन इस परियोजना के कारण कलवा के भोला नगर और छत्रपति शिवाजी महाराज नगर की 786 झोपड़ियाँ सीधे प्रभावित होंगी। प्रभावित नागरिकों के पुनर्वास को लेकर जारी असमंजस के बीच विधायक डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने चेतावनी दी है कि लिखित समझौते के बिना किसी भी तरह का सर्वेक्षण या काम शुरू नहीं होने दिया जाएगा।

पुनर्वास पर अस्पष्टता, हजारों परिवारों में चिंता

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (MUIP) चरण-3 के तहत बनने वाले इस कॉरिडोर पर मनपा आयुक्त ने आव्हाड को पत्र भेजकर सर्वेक्षण शुरू करने की जानकारी दी है। लेकिन पत्र में पुनर्वास कहाँ और कैसे होगा, इस पर कोई स्पष्टता नहीं। इससे हजारों परिवारों के सामने आवास संकट गहरा गया है। इसी कारण डॉ. आव्हाड ने इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाकर सरकार से तत्काल स्पष्ट निर्णय की माँग की है।

स्थानीय नागरिकों का विरोध तेज, सुरक्षा और सुविधाओं की कमी

कलवा की इन बस्तियों में पहले ही कई रेल दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं, जिनमें कई लोगों की मौत और गंभीर चोटें लगी हैं। नागरिक सुविधाओं की भारी कमी और तीन रेलवे लाइनें गुजरने के खतरे की वजह से स्थानीय लोग परियोजना का कड़ा विरोध कर रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि सरकार पुनर्वास पर स्पष्ट निर्णय लिए बिना काम आगे बढ़ा रही है, जिससे उनका भविष्य अनिश्चित हो गया है।

लिखित आश्वासन तक सर्वेक्षण नहीं: डॉ. आव्हाड

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ पहले भी इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है और पुनर्वास कराने का आश्वासन दिया गया था। लेकिन अब तक न तो जगह तय हुई है और न ही प्रक्रिया स्पष्ट की गई है। आव्हाड ने चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक लिखित आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक सर्वेक्षण भी नहीं होने दिया जाएगा।

सरकारी ज़मीनों पर पुनर्वास भवन की मांग

डॉ. आव्हाड का कहना है कि परियोजना क्षेत्र में कई सरकारी ज़मीनें उपलब्ध हैं जिन पर पुनर्वास इमारतें बनाई जा सकती हैं। उन्होंने सुझाव दिया है कि झोपड़ी मालिकों को लिखित पत्र देकर एक संयुक्त समझौता किया जाए, तभी आगे की प्रक्रिया शुरू हो। अन्यथा, परियोजना को लेकर किसी भी तरह का सहयोग नहीं दिया जाएगा, ऐसा स्पष्ट रुख उन्होंने जताया।

साढ़े तीन हजार झुग्गीवासी उजड़ेंगे, आजीविका भी खतरे में

मीडिया से बात करते हुए डॉ. आव्हाड ने कहा कि 2017 में भी उन्होंने इस परियोजना को झुग्गी पुनर्वास के कारण रोका था। उन्होंने बताया कि यहाँ रहने वाले परिवार मजदूरी और छोटे-मोटे कामों पर निर्भर हैं। कई महिलाएँ बर्तन धोकर घर चलाती हैं। ऐसे में यदि इन परिवारों को कहीं दूर विस्थापित किया गया तो उनका जीवनयापन असंभव हो जाएगा। इसी वजह से वे पुनर्वास को लेकर एकजुट और स्पष्ट नीति की मांग कर रहे हैं।

सात मंजिला वृद्धाश्रम और छात्रावास का निकला रास्ता

कोंकण मंडल ने तकनीकी समस्याओं का निकाला समाधान

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे के माजीवाड़ा में कोंकण मंडल द्वारा प्रस्तावित सात मंजिला वृद्धाश्रम और कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास लंबे समय से तकनीकी अड़चनों में फंसे थे। ठाणे महानगरपालिका द्वारा मंजूरी न मिलने के कारण ये दोनों परियोजनाएँ विवाद की स्थिति में थीं। अब कोंकण मंडल ने तकनीकी समस्याओं का समाधान करते हुए आगे का रास्ता निकाल लिया है। महानगरपालिका के निर्देश अनुसार मंडल इस परियोजना के लिए नया प्रस्ताव भेजेगा। कोंकण मंडल के अधिकारियों के मुताबिक, नया प्रस्ताव भेजने के बाद मंजूरी मिलने पर दोनों इमारतों के निर्माण कार्य का शिलान्यास जनवरी 2026 में किया जाएगा।

राज्य नीति में आश्रय योजनाओं को प्राथमिकता

राज्य की आवास नीति में वरिष्ठ नागरिकों, छात्राओं और कामकाजी महिलाओं के लिए आश्रय की समस्या को प्राथमिकता मिली है। एमएमआर में शिक्षा और रोजगार के लिए आने वाली महिलाओं व छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ने वाली है। इसी भविष्य की जरूरत को देखते हुए ग्रोथ हब परियोजना के तहत महिला छात्रावास और वृद्धाश्रम का निर्माण किया जा रहा है। पहले चरण में मुंबई और ठाणे में ऐसी सुविधाओं का निर्माण पहले से जारी है। कोंकण मंडल ने माजीवाड़ा के विवेकानंद नगर अभिन्यास में 1300 वर्ग मीटर क्षेत्र में वृद्धाश्रम और 1500 वर्ग मीटर क्षेत्र में महिला छात्रावास बनाने की योजना बनाई है। दोनों इमारतें सात मंजिला होंगी और पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से युक्त रहेंगी। प्रत्येक परियोजना पर लगभग 11 करोड़ रुपए की लागत अनुमानित है। निविदा प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है, लेकिन भूमि से जुड़ी तकनीकी जटिलताओं की वजह से परियोजना अटकी हुई थी।

नालासोपारा के पूर्व नगरसेवक ढगे भाजपा में शामिल

प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने किया स्वागत

ओपी यादव | नालासोपारा

नालासोपारा के पूर्व नगरसेवक राजेश ढगे बुधवार को जागृति महिला मंडल की अध्यक्ष रसिका ढगे, तीन पूर्व महिला नगरसेविकाओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित पक्ष प्रवेश कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में विधायक राजन नाईक, जिलाध्यक्ष प्रज्ञा पाटील, मुख्यालय प्रभारी रविंद्र अनासपुरे, मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन, पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्र पाटील और मनोइज बारोट मौजूद थे।

भाजपा में शामिल हुए प्रमुख चेहरे

भाजपा में शामिल होने वालों में युवा विकास आघाड़ी के मिलिंद सासवडकर, पूर्व महिला नगरसेविका सुषमा दिवेकर, पूर्व परिवहन सभापति कल्पक पाटील, वार्ड अध्यक्ष प्रतिभा वर्तक, पूर्व महिला नगरसेविका ज्योति राउत, अधिवक्ता माया चौधरी, विनीत जैन, स्वामी समर्थ मठ बोलिंज के राजेश राउत, वसई-विरार जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष मेहुल मोने, दिव्या सोलंकी, श्रद्धा भोसले, वार्ड अध्यक्ष संतोष मेरतिया सहित कई प्रमुख चेहरे शामिल हैं।

पारदर्शी नेतृत्व पर विश्वास: चव्हाण

प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के गतिशील और पारदर्शी नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए सभी कार्यकर्ता भाजपा में आए हैं। उनका कहना था कि क्षेत्र के विकास को गति देने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पार्टी नए कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी और उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

'भावनात्मक अपीलों के बहकावे में न आएं'

चव्हाण ने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की भावनात्मक अपीलों के बहकावे में न आएं। उन्होंने कहा कि केंद्र, राज्य और महापालिका में समान विचारधारा की सरकार होने से विकास तेजी से संभव होता है। वसई-विरार की यातायात समस्या दूर करने के लिए कोस्टल रोड को विरार तक ले जाने का काम केवल मुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुती सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि महापालिका का नेतृत्व फडणवीस को सौंपकर नागरिक विकास को गति दे सकते हैं।

दशकों पुरानी समस्याओं का समाधान जरूरी: नाईक

विधायक राजन नाईक ने कहा कि क्षेत्र की 35 वर्षों से चली आ रही समस्याओं के समाधान के लिए मोदी और फडणवीस जैसा भरोसेमंद नेतृत्व आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अब तक चार रेलवे ओवरब्रिज, रिंग रोड, कांक्रीटीकृत सड़कें और अन्य कई विकास परियोजनाओं के लिए सरकार ने पर्याप्त धनराशि प्रदान की है। उन्होंने विश्वास जताया कि अनुभवी कार्यकर्ताओं के आने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी तथा सभी का सम्मानपूर्वक मार्गदर्शन किया जाएगा।

शिवसेना शिंदे गुट को बीजेपी ने फिर दिया झटका

शिवसेना शिंदे गुट के सदानंद थरवळ का पुत्र का भाजपा में प्रवेश

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

डोंबिवली में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की चेतावनी का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। बुधवार सुबह कल्याण ग्रामीण के 27 गांवों के शिवसेना (शिंदे गुट) के उप-तालुका प्रमुख विकास देसले भाजपा में शामिल हो गए। इसके तुरंत बाद दोपहर में वरिष्ठ शिवसैनिक सदानंद थरवळ के बेटे अभिजीत थरवळ ने भी रवींद्र चव्हाण की उपस्थिति में भाजपा का दामन थाम लिया। यह कदम शिवसेना शिंदे गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

नगर पालिका चुनावों से पहले बढ़ी दल-बदल की रणनीति

आगामी नगर पालिका चुनाव इस बार चार-सदस्यीय वार्ड प्रणाली के तहत होंगे। ऐसे में यदि किसी उम्मीदवार को जीत हासिल करनी है, तो पूरे पैनल में एक ही विचारधारा और एक ही पार्टी के लोग होने जरूरी हैं। यही वजह है कि कई राजनीतिक नेता अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सुविधानुसार पार्टी परिवर्तन कर रहे हैं। पुराने तिलकनगर वार्ड में पहले शिवसेना (शिंदे गुट) का दबदबा था, लेकिन हाल ही में महेश पाटिल, सायली विचारे और डॉ. सुनीता पाटिल जैसे प्रभावशाली नेताओं के भाजपा में शामिल होने के बाद अब चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं के लिए भाजपा के करीब जाना ही मजबूरी बन गया है।

भविष्य की तैयारी और बढ़ती राजनीतिक हलचल

अभिजीत थरवळ पहले भी इसी क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं, इसलिए इस बार भी वे चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं और इसी रणनीति के तहत भाजपा में शामिल हुए हैं। थरवळ समर्थकों का कहना है कि अलग विचारधारा के कारण अभिजीत ने स्वतंत्र निर्णय लेते हुए भाजपा का रुख किया। अब शहर में चर्चा का विषय यह है कि डोंबिवली और कल्याण से और कौन-कौन भाजपा में शामिल होने वाला है। इस राजनीतिक हलचल के बीच नगर पालिका चुनावों से पहले पाला बदलने का सिलसिला तेज होता दिख रहा है।

अभिजीत थरवळ की राजनीतिक पृष्ठभूमि

अभिजीत थरवळ पिछले पंद्रह वर्षों से राजनीति में सक्रिय हैं और युवा सेना के पदाधिकारी रह चुके हैं। पिछले केडीएमसी चुनाव में उन्होंने तिलकनगर से भाजपा उम्मीदवार राजन अभाले के खिलाफ चुनाव लड़ा था, जहाँ वह सिर्फ तीन वोटों से हार गए थे। इसके बावजूद, उन्होंने अपने पिता सदानंद थरवळ के मार्गदर्शन में राजनीतिक और सामाजिक काम जारी रखा। अभिजीत के भाजपा में प्रवेश से एक बार फिर यह तथ्य सामने आया कि कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र में कई परिवारों के सदस्य अलग-अलग दलों में सक्रिय रहते हैं।

खाली कैरेट ले जा रहे ट्रक में लगी आग

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

मुंबई-नाशिक हाईवे पर भिवंडी तालुका के वडपे नाका क्षेत्र में बुधवार को उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब खाली कैरेट लेकर जा रहा एक ट्रक अचानक आग की चपेट में आ गया। ड्राइवर अमजद के अनुसार, ट्रक कल्याण से कैरेट लोड कर मध्यप्रदेश के लिए निकला था। हाईवे पर चलते समय अचानक ट्रक के पिछले हिस्से से धुआं उठता देख उन्हें आग लगने का संदेह हुआ।

जेसीबी की मदद से बुझी आग, ड्राइवर की सूझबूझ से बची जनहानि

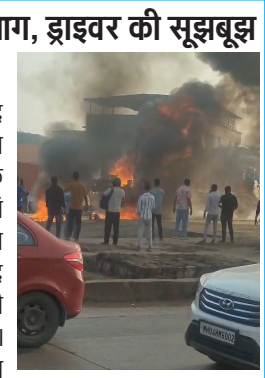

स्थिति की गंभीरता समझते हुए अमजद ने तुरंत ट्रक को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर रोक दिया। हाईवे के पास सड़क और ब्रिज निर्माण कार्य चल रहा था, जहां मौजूद श्रमिकों और मशीन ऑपरेटरों ने तुरंत मदद की। निर्माण स्थल पर मौजूद जेसीबी की मदद से ट्रक पर मिट्टी डाली गई और आग पर काबू पा लिया गया। ड्राइवर की त्वरित कार्रवाई और निर्माण टीम की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। ट्रक का कुछ हिस्सा और कैरेट जलकर नष्ट हो गए, लेकिन समय रहते कार्रवाई होने से कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय प्रशासन आग लगने के कारणों की जांच कर रहा है।

नवी मुंबई में घर से भाग रहे बच्चे

11 महीनों में 499 लापता

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई में 1 जनवरी से 29 नवंबर के बीच बच्चों के अपहरण के 499 मामले दर्ज किए गए। पुलिस ने इनमें से 458 बच्चों को ढूंढ निकाला, जिनमें 315 लड़कियां शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद बच्चों में अधिकतर ऐसे थे जो अपहरण नहीं बल्कि भावनात्मक तनाव या निजी कारणों से खुद ही घर से निकल गए थे।

41 बच्चे अभी भी लापता

पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, 41 बच्चे अब भी लापता हैं, जिनमें 34 लड़कियां और 7 लड़के शामिल हैं। कुल मामलों में से 25 केस पॉक्सो एक्ट से जुड़े थे। सबसे अधिक 51 मामले तुर्भे क्षेत्र में दर्ज हुए। पुलिस इन मामलों की जांच जारी रखे हुए है और लापता बच्चों की तलाश के लिए संबंधित थानों और टीमों को सक्रिय रखा गया है।

घर छोड़ने के मुख्य कारण

जिन 458 बच्चों का पता लगाया गया, उनमें कई मामलों में बच्चों ने परिवारिक तनाव या मनोवैज्ञानिक दबाव के चलते घर छोड़ा था। पुलिस ने बताया कि 128 बच्चे प्रेम संबंधों के कारण घर से निकले। 114 बच्चों ने माता-पिता की डांट से परेशान होकर घर छोड़ा। 103 बच्चे रिश्तेदारों के घर चले गए। 63 बच्चे घूमने के लिए घर से निकले। 48 बच्चे अपनी प्रेमिका के घर चले गए थे। पुलिस का कहना है कि कई मामले अपहरण की श्रेणी में दर्ज हुए, जबकि वास्तव में बच्चे स्वेच्छा से घर छोड़कर गए थे।

उद्योगपति नंद छापरू ने किया भाजपा में प्रवेश

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर में सुप्रसिद्ध उद्योगपति और डेन केबल के संचालक नंद छापरू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की विकास नीतियों से प्रभावित होकर बुधवार को भाजपा में प्रवेश किया, जहां सांसद कुमार आयलानी, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधर्या सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डी. बा. पाटिल का नाम नहीं दिया गया तो होगा जनआंदोलन: बाल्या मामा

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई के नए एयरपोर्ट के नामकरण को लेकर फिर से राजनीति गर्मा गई है। भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के राकांपा (शरद पवार) गुट के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने राज्य सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 15 दिन के भीतर एयरपोर्ट को लोकनेता डी. बा. पाटिल का नाम नहीं दिया गया, तो सरकार के खिलाफ विशाल जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भिवंडी के मनकोली नाका से नवी मुंबई तक 25 हजार लोगों की रैली निकाली जाएगी और एयरपोर्ट से उड़ानें रोकने का आंदोलन किया जाएगा।

सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप, आंदोलन की तैयारी तेज

भिवंडी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सांसद म्हात्रे ने राज्य सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि 14 सितंबर के आंदोलन के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 3 अक्टूबर को भूमिपुत्रों से मीटिंग कर भरोसा दिया था कि दो से ढाई महीने में एयरपोर्ट का नामकरण डी. बा. पाटिल के नाम पर कर दिया जाएगा। लेकिन 3 दिसंबर को दो महीने पूरे होने जा रहे हैं और 25 दिसंबर से एयरपोर्ट उड़ानों के लिए खुलने वाला है। म्हात्रे ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने कोई ठोस निर्णय नहीं लिया तो 22 दिसंबर से मनकोली नाका से 25 हजार लोगों के साथ पदयात्रा शुरू की जाएगी, जो 24 दिसंबर को एयरपोर्ट पहुंचेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने नामकरण का कोई प्रस्ताव केंद्र को भेजा ही नहीं और जानबूझकर भूमिपुत्रों की मांग को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है।

सड़कों पर खड़े 70 लावारिश वाहनों पर कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर के मुख्य मार्गों और पदचारी पथों पर वर्षों से खड़े लावारिश वाहन स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए थे। इन वाहनों की हवा तक निकल चुकी है, जिससे वे सड़क पर स्थायी अवरोध की तरह खड़े रहते हैं। इनके कारण न केवल यातायात बाधित होता था, बल्कि इनके आसपास गंदगी भी फैल रही थी। सफाई कर्मियों को भी इनकी वजह से काम में दिक्कतें आ रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त डॉ. धीरज चौव्हान ने मनपा प्रभाग अधिकारियों, अतिक्रमण निर्मूलन विभाग और यातायात पुलिस के साथ बैठक की। इसके बाद शहर में युद्धस्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है और अब तक 70 वाहनों पर कार्रवाई की जा चुकी है।

नोडल अधिकारी का आह्वान

उपमहापालिका के अतिक्रमण निर्मूलन विभाग के नोडल अधिकारी गणेश शिंपी ने बताया कि शहर की सड़कों से अतिक्रमण हटाने का अभियान लगातार जारी है और लावारिश वाहनों को हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। मुख्य मार्गों पर बाधा पैदा करने वाले वाहनों पर निरंतर कार्रवाई हो रही है। साथ ही, यातायात पुलिस द्वारा सुझाए गए स्थानों पर संकेतक बोर्ड लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही मुख्य मार्गों पर पार्किंग के लिए पीला पट्टा भी लगाया जाएगा। गणेश शिंपी ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में खड़े लावारिश वाहनों की जानकारी प्रभाग समिति कार्यालय को दें, ताकि उन पर समय रहते कार्रवाई की जा सके।

शर्ट के टैग से जीआरपी ने व्यक्ति के शव की पहचान की

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

डोंबिवली रेलवे स्टेशन पर सोमवार को 82 वर्षीय बुजुर्ग का शव ट्रेन की चपेट में आने के बाद पाया गया। शव के पास कोई दस्तावेज या सामान नहीं था, जिससे जीआरपी के सामने सबसे बड़ी चुनौती उनकी पहचान करना थी।

ट्रेन से कटकर हुई मौत, आकस्मिक मामला दर्ज

जीआरपी अधिकारियों के अनुसार, बुजुर्ग की मौत ट्रेन से कटने के कारण हुई। पुलिस ने इस मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के तहत आकस्मिक मौत का केस दर्ज किया। पहचान के कोई स्पष्ट आधार न मिलने के कारण शुरुआत में मामला उलझा हुआ था। जांच के दौरान पुलिस ने मृतक की शर्ट पर एक छोटा सा लेबल देखा, जो पूरी जांच का मुख्य सुराग साबित हुआ। पुलिस ने टैग पर लिखे नाम से दर्जी को खोजा और व्हाट्सऐप पर मृतक की तस्वीर भेजी। दर्जी ने तुरंत पहचान की पुष्टि की और मृतक के परिवार का संपर्क नंबर भी उपलब्ध कराया। लेबल से शुरू हुई जांच दो घंटे के भीतर मंजिल तक पहुंच गई। मृतक की पहचान शशिकांत भोइर के रूप में हुई और जीआरपी ने उनके बेटे से संपर्क कर शव परिवार को सौंप दिया। पुलिस ने कहा कि कपड़े पर मौजूद यह छोटा सा टैग पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित हुआ।

मनपा-जेडपी चुनाव पर फिर ग्रहण

ईसी के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे ओबीसी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में बहुप्रतीक्षित महानगरपालिका (मनपा) और जिला परिषद (जेडपी) चुनावों पर एक बार फिर अनिश्चितता गहरा गई है। मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ द्वारा स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के चुनाव परिणामों को 21 दिसंबर तक स्थगित किए जाने के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ ने राज्य निर्वाचन आयोग को अदालत में चुनौती देने की चेतावनी दी है, जिससे चुनावी प्रक्रिया पर संकट और गहरा गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने कई क्षेत्रों में 20 दिसंबर तक चुनाव प्रक्रिया रोक दी है, जिस पर विभिन्न राजनीतिक दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे प्रशासनिक अनिश्चितता बढ़ाने वाला कदम बताया है।

ओबीसी महासंघ की आपत्ति और कानूनी तैयारी

राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के अध्यक्ष बबनराव तायवाडे ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी वर्ग को पहले ही अपेक्षाकृत कम आरक्षण मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने 27% से अधिक आरक्षण होने पर अपूर्णांक (fraction) को नज़रअंदाज़ करने का निर्देश दिया है, लेकिन कई जगहों पर 27% सीमा के भीतर होने के बावजूद ओबीसी को पूर्णांक का लाभ नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि "हर वर्ग के लिए अलग नियम नहीं हो सकता," और घोषणा की कि गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की जाएगी।

विवाद की असली जड़

ओबीसी महासंघ ने आरोप लगाया है कि आयोग ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और महिलाओं के आरक्षण में अपूर्णांक सीटों को ऊपर की ओर पूर्णांक (round off) मानने का नियम अपनाया है—जैसे 4.3 सीट = 5 सीट—लेकिन ओबीसी के लिए यह नीति लागू नहीं की गई है। इससे कई स्थानों पर ओबीसी की एक सीट कम पड़ रही है। महासंघ की मांग है कि पूर्णांक के आधार पर ओबीसी आरक्षण पुनः निर्धारित किया जाए। आयोग द्वारा इस मांग को नहीं मानने के चलते अब यह विवाद अदालत तक पहुँचने वाला है।

सुप्रीम कोर्ट की सीमा और चुनावी अड़चनें बढ़ीं

ओबीसी आरक्षण से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट पहले ही निर्देश दे चुका है कि स्थानीय निकाय चुनावों में कुल आरक्षण 50% से अधिक नहीं होना चाहिए। इसी वजह से राज्य के 17 जिलों में चुनाव पहले ही स्थगित किए जा चुके थे। अब नए विवाद और अदालती चुनौती के चलते महाराष्ट्र में मनपा और जेडपी चुनावों की राजनीतिक अनिश्चितता और भी गहरी हो गई है।

कांग्रेस 2047 तक सत्ता में नहीं आएगी: बावनकुले

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एआई वीडियो और जाति जनगणना को लेकर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। कांग्रेस द्वारा बनाए गए पीएम मोदी के एआई-जनरेटेड वीडियो पर चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का जहाज डूब रहा है। लोग हर दिन कांग्रेस पार्टी छोड़ रहे हैं। यह पार्टी 2029 तक खत्म हो जाएगी। अब देखिए यह क्या कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीवन कहानी एक सच्चाई है जो पूरे देश और दुनिया को पता है कि उन्होंने बेहद गरीबी में चाय बेचकर अपना जीवन शुरू किया और आज वह देश और दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक बन गए हैं। उन्होंने कहा कि 15 साल से कांग्रेस सत्ता में नहीं आ रही है। 2047 तक कांग्रेस सत्ता में आने वाली भी नहीं है, इसको लेकर कांग्रेस में भय व्याप्त हो गया है। कांग्रेस अब प्रधानमंत्री मोदी पर व्यक्तिगत हमले कर रही है। इस क्रम में कांग्रेस एआई के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी की वीडियो रील बना रही है, यह एक प्रकार की धोखाधड़ी है। कांग्रेस ने जब-जब नरेंद्र मोदी को गाली देने का प्रयास किया, तब-तब वो डूबी।

कांदिवली और घाटकोपर के दो इमारतों में लगी भीषण आग

मुंबई। मुंबई के उपनगर कांदिवली (पूर्व) में बुधवार को 36 मंजिला रिहायशी इमारत की 28वीं मंजिल पर आग लग गई, लेकिन घटना में किसी के घायल होने की तत्काल कोई खबर नहीं है। नगर निकाय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोकुल कॉनकॉर्ड बिल्डिंग में शाम 7.54 बजे आग लगने की सूचना मिली। आग लगने का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों के अनुसार, आग बुझाने के लिए दमकल की कम से कम चार गाड़ियां, मुंबई अग्निशमन (एमएफबी) के अन्य वाहन और उपकरण घटनास्थल पर भेजे गए। शुरुआती जानकारी का हवाला देते हुए नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि आग 36 मंजिला आवासीय इमारत के 28वें माले तक ही सीमित है। दमकल की टीमों के साथ, मुंबई पुलिस, अदाणी इलेक्ट्रिसिटी के कर्मचारी, एक '108' सेवा एम्बुलेंस और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के स्थानीय वार्ड के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंच गए। अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

घाटकोपर के अमृतनगर में भी आग, घर का सामान जलकर खाक

इसी दिन दूसरी घटना में घाटकोपर के अमृतनगर स्थित वसंत विला बिल्डिंग में भी आग लग गई। सौभाग्य से इस हादसे में भी कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन तीसरी मंजिल के रूम नंबर 47 का पूरा सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार आग इलेक्ट्रिक स्पार्क की वजह से लगी और लोग आग फैलने से पहले ही सुरक्षित बाहर निकल आए। सूचना मिलते ही विक्रोली फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियाँ और वाटर टैंकर मौके पर पहुँचे और थोड़े समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

एकनाथ शिंदे को कमजोर करना मतलब हिंदुत्व को कमजोर करना : संजय निरुपम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

नगर पंचायत और नगर परिषद चुनाव प्रचार में महायुति की ओर से जोरदार प्रचार देखने को मिला, जबकि विपक्ष कमज़ोर दिखाई दिया। इस दौरान कुछ स्थानों पर महायुति के नेताओं के बीच आपसी मतभेद भी सामने आए थे। शिवसेना उपनेता और प्रवक्ता संजय निरुपम ने कहा कि प्रचार के दौरान हुए मतभेद अब समाप्त हो चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय निकाय चुनावों में हर पार्टी ने अपने दम पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया था, इसलिए बयानबाज़ी और आरोप-प्रत्यारोप स्वाभाविक थे, जिनका उद्देश्य किसी सहयोगी को आहत करना नहीं था।

निरुपम ने विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे नैरेटिव को गलत बताते हुए कहा कि महायुति एकजुट और मजबूत है।

हिंदुत्व के मुद्दे पर बीजेपी को याद दिलाया समर्थन

संजय निरुपम ने अपनी सहयोगी पार्टी बीजेपी को याद दिलाया कि हिंदुत्व के मुद्दे पर एकनाथ शिंदे ने हमेशा ठोस समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे को कमजोर करना, हिंदुत्व को कमजोर करने जैसा होगा। शिवसेना स्वयं एक हिंदुत्ववादी पार्टी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कठोर हिंदूवादी नेता के रूप में स्थापित हैं। महाराष्ट्र में हिंदुत्व को मजबूत करने में एकनाथ शिंदे की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

उद्धव और कांग्रेस पर तीखी टिप्पणी स्थिर सरकार का दावा

संजय निरुपम ने संजय राउत के स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि बीमारी में भी वे झूठी अफवाहें फैला रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि कई विधायक शिवसेना छोड़ सकते हैं। निरुपम ने कहा कि सरकार बहुमत से तय होती है, और वर्तमान महायुति सरकार सुरक्षित बहुमत के साथ स्थिर है। उन्होंने उद्धव ठाकरे और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके शासन में साधु सुरक्षित नहीं थे और मॉब लिंचिंग की घटनाएं बढ़ी थीं, लेकिन आज हिंदुत्ववादी सरकार में स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। मतदाता सूचियों में विसंगतियों पर निरुपम ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है और देशभर में चल रही SIR प्रक्रिया महाराष्ट्र में भी लागू की जानी चाहिए, ताकि डुप्लीकेट और अवैध नाम हटाए जा सकें। संचार साथी ऐप को लेकर विपक्ष द्वारा की जा रही आलोचना पर उन्होंने कहा कि यह ऐप साइबर क्राइम रोकने के लिए बनाया गया है, लेकिन विपक्ष राजनीति कर गलत नैरेटिव फैला रहा है।

ड्रग्स तस्करी में दो युवक गिरफ्तार

5 लाख रुपए कैश भी बरामद

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक सेल (कांदिवली यूनिट) ने बोरीवली इलाके में की गई कार्रवाई में दो युवकों को ड्रग्स तस्करी के आरोप में पकड़ा। इनके पास से हाई क्वालिटी ड्रग्स और 5 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि दो तस्कर बोरीवली में सौदा करने पहुंचने वाले हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने वहां जाल बिछाकर संदिग्धों का इंतजार किया। मौके पर पहुंचते ही दोनों को हिरासत में लिया गया और तलाशी के दौरान भारी मात्रा में प्रतिबंधित ड्रग्स मिले।

50 लाख कीमत का ड्रग्स बरामद

पुलिस के अनुसार बरामद किया गया ड्रग्स अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 50 लाख रुपये का है। गिरफ्तार आरोपी पनवेल के कलम्बोली इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया।

सप्लाई नेटवर्क की जांच जारी

क्राइम ब्रांच अब इस बात की जांच में जुटी है कि यह ड्रग्स कहां से लाया गया था और किसे सप्लाई किया जाना था। अधिकारियों का कहना है कि ड्रग्स कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है और जल्द ही और गिरफ्तारियां संभव हैं।

एक दिन पहले भी दंपति गिरफ्तार

इससे पहले सोमवार को भी एंटी नारकोटिक सेल की इसी यूनिट ने मीरा रोड के एक दंपति को ड्रग्स तस्करी में पकड़ा था। उनके घर से 500 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी, जिसकी कीमत करीब 2 करोड़ रुपये थी। आरोपी पति-पत्नी घर में ही ड्रग्स तैयार कर उसे सप्लाई करते थे।

महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव

67.63 प्रतिशत मतदान दर्ज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की 263 नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के लिए पहले चरण में 67.63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मंगलवार को सुबह साढ़े सात बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक चले चुनाव में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने हिस्सा लिया। राज्य निर्वाचन आयोग ने देर रात अंतिम आंकड़ा जारी किया, जबकि धुले जिले की दोंडाइचा-वरवडे नगर परिषद में अध्यक्ष और पार्षद निर्विरोध चुने जाने के कारण मतदान नहीं हुआ।

सत्तारूढ़ गठबंधन में कुछ स्थानों पर आमने-सामने मुकाबला

अधिकारियों के अनुसार, सत्तारूढ़ महायुति के सहयोगी—भारतीय जनता पार्टी, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी—के उम्मीदवार कुछ स्थानों पर एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे। मतदान सुचारू रूप से संपन्न होने के बाद अब अगले चरण के चुनावों की तैयारी की जा रही है।

अगले चरण के चुनाव 20 दिसंबर को, मतगणना 21 दिसंबर को

राज्य में 24 अन्य स्थानीय निकायों के अध्यक्षों और सदस्यों के चुनाव तथा 76 स्थानीय निकायों में 154 सदस्यों के चुनाव 20 दिसंबर को होंगे। इन सभी चुनावों की मतगणना 21 दिसंबर को की जाएगी, जिसके बाद अंतिम नतीजे घोषित किए जाएंगे।

पश्चिम रेलवे

विविध मरम्मत कार्य

मंडलीय रेलवे प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6वीं मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई–400 008 ई-टेंडर आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	निविदा सूचना संख्या व दिनांक	कार्य एवं स्थान	कार्य की अनुमानित लागत (रू)	धरोहर राशि / ईएमडी (रू)
1	BCT/25-26/268 दिनांक 28.11.2025	**चर्चगेट–विरार सेक्शन:** वर्ष 2024–25 एवं 2025–26 के दौरान स्वीकृत विभिन्न ट्रैक कार्यों के संबंध में किराये के आधार पर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराना	82,76,300	1,65,500
2	BCT/25-26/269 दिनांक 28.11.2025	**ज़ोन 7C:** एडीईएन (टी/एन) – बोरीवली सेक्शन के अंतर्गत पुलों की सामान्य मरम्मत, पेंटिंग आदि कार्य	85,89,080	1,71,800
3	BCT/25-26/270 दिनांक 28.11.2025	**ज़ोन 7B:** इस सेक्शन के अंतर्गत पुलों की सामान्य मरम्मत, पेंटिंग आदि कार्य एडीईएन (टी/एस) – लोअर परेल	64,41,810	1,28,800

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए: निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 26.12.2025 को 15:00 बजे तक निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 26.12.2025 को 15:30 बजे अधिक जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 0851

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,मुंबई सेंट्रल डिवीज़न,,पश्चिम रेलवे,मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग,एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल,मुंबई– 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन।

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-58	दिनांक: 18-12-25 समय: 15:00:00

क्र. सं.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-BCT-PL-OH-456-25-1 (विज्ञापन – आउट ऑफ होम)	01 मौजूदा होर्डिंग संरचना पर विज्ञापन प्रदर्शन हेतु बल्क विज्ञापन अधिकार क्षेत्रफल: 1600 वर्गफुट (संरचना की मरम्मत / मजबूतीकरण सहित) लोअर परेल रेलवे वर्कशॉप, नॉर्थ वेस्ट कॉर्नर (संरचना की मरम्मत/मजबूतीकरण सहित) लोअर परेल रेलवे वर्कशॉप, उत्तर-पश्चिम कोने पर 5 वर्षों की अवधि के लिए।	1826	18-12-25, 15:30:00 बजे
2	ADVT-BCT-MX-OH-455-25-1 (विज्ञापन – आउट ऑफ होम)	07 मौजूदा होर्डिंग संरचनाओं पर विज्ञापन प्रदर्शन हेतु बल्क विज्ञापन अधिकार कुल क्षेत्रफल: 5768 वर्गफुट (संरचना की मरम्मत/मजबूती सहित) महालक्ष्मी स्टेशन पर 5 वर्ष की अवधि के लिए	1826	18-12-25, 15:40:00 बजे

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नं.: 02267644212 ईमेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com नोट: इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS की वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण वहाँ उल्लिखित कैटलॉग के अंतर्गत उपलब्ध है। 0854

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे,मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, NFR सेक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008

कार्य मुंबई मंडल में विभिन्न NFR माध्यमों के द्वारा विज्ञापन प्रदर्शन का कार्य।

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-59	19-12-2025 समय: 15:00 बजे

क्र. सं.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1.	ADVT-BCT-CCG-OH-31-25-1 (Advertising - Out of Home) (FOBs) पर 3 साल के लिए बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स। पश्चिम की ओर, कुल डिस्प्ले एरिया 720 sq. ft., 03 साल के लिए।	बधवार पार्क रेलवे कॉलोनी की बाउंड्री वॉल पर वॉल पेंटिंग के बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स दादर (DDR) स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज	1096	19-12-25 15:30:00
2	ADVT-BCT-DDR-OSN-443-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital)	दादर (DDR) स्टेशन प्लेटफॉर्म पर 3 साल के लिए बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स।	1096	19-12-25 15:40:00
3.	ADVT-BCT-DDR-OSN-339-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital)	दादर (DDR) स्टेशन प्लेटफॉर्म पर 3 साल के लिए बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स।	1096	19-12-25 15:50:00
4	ADVT-BCT-ADH-OSN-441-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital)	अंधेरी स्टेशन के अपर डेक पर ग्लो लॉलीपॉप के लिए तीन साल के लिए बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स, जिसमें सीटिंग अरेंजमेंट है।	1096	19-12-25 16:00:00
5	ADVT-BCT-NIG-OSN-454-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital)	नायगांव (NIG) स्टेशन पर तीन साल के लिए बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स।	1096	19-12-25 16: 10:00
6	ADVT-BCT-BA-OSN-440-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital)	बांद्रा (BA) स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज (FOBs) पर 3 साल के लिए बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स।	1096	19-12-25 16:20:00
7	ADVT-BCT-BOR-OSN-451-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital)	बोइसर (BOR) स्टेशन पर तीन साल के लिए बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स।	1096	19-12-25 16:30:00
8	ADVT-BCT-CYR-OSN-442-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital)	चर्नी रोड (CYR) स्टेशन पर 3 साल के लिए बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स।	1096	19-12-25 16:40:00
9	ADVT-BCT-CCG-OSN-453-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital)	चर्चगेट स्टेशन (CCG) पर नॉन-टिकटिंग एरिया में तीन साल के लिए बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स।	1096	19-12-25 16:50:00
10	ADVT-BCT-DIC-OSN-452-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital)	दहिसर (DIC) स्टेशन पर प्लेटफॉर्म पर तीन साल के लिए बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स।	1096	19-12-25 17:00:00

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नं.: 022-67644212 ई-मेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com नोट: भावी बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें। लॉट-वार विवरण वहाँ उल्लिखित कैटलॉग के अंतर्गत उपलब्ध है। 0856

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें X.com/WesternRly

बाइक टैक्सी दुर्घटना में ग्राहक की मौत

उबर इंडिया सिस्टम्स के निदेशकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

डीबीडी संवाददाता । विरार

बाइक टैक्सी से सफर कर रही एक महिला यात्री की मौत के बाद पुलिस ने सरकारी नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है। नवघर पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, उबर इंडिया सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों पर आरोप है कि उनकी ऐप आधारित सेवा में 'निजी वाहन' का उपयोग किया जा रहा था, जो बाइक टैक्सी सेवा परमिट के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। यह मामला परिवहन विभाग के मोटर वाहन निरीक्षक रविंद्र गावडे की शिकायत पर दर्ज किया गया है।

हादसा कैसे हुआ और जांच में क्या पाया गया

पुलिस के मुताबिक, 29 नवंबर की सुबह ऐरोली फ्लाईओवर के नीचे एक सीमेंट मिक्सर ट्रक ने उबर से जुड़े राइडर पार्टनर गणेश विश्राम माधव की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में गणेश घायल हो गया जबकि पीछे बैठी यात्री शुभांगी मागरे की मौके पर ही मौत हो गई। आरटीओ जांच में सामने आया कि गणेश ने उबर प्लेटफॉर्म पर अपने रिश्तेदार के स्वामित्व वाले स्कूटर को पंजीकृत कराया था, लेकिन यात्रियों को ले जाने के लिए वह वास्तविक रूप से अपनी मोटरसाइकिल का उपयोग कर रहा था, जो मोटर वाहन अधिनियम और महाराष्ट्र बाइक टैक्सी नियम, 2025 के उल्लंघन का मामला है।

कानूनी कार्रवाई और वर्तमान स्थिति

उबर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में भारतीय दंड संहिता की धारा 223 और मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के प्रावधान शामिल किए गए हैं। हालांकि, अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा अस्थायी लाइसेंस जारी किए जाने के बावजूद पिछले दो महीनों में मुंबई में केवल 100 बाइक टैक्सी ही पंजीकृत हो पाई हैं।

पश्चिम रेलवे

प्राप्तकर्ता हेतु गैल्वेनाइज़्ड हुक बोल्ट की खरीद

मंडलीय सामग्री प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 **ई-निविदा सूचना संख्या 81256328, दिनांक 21.11.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान** : प्राप्तकर्ता SSE/P.WAY/बलसाड के लिए गैल्वेनाइज़्ड हुक बोल्ट की आपूर्ति। **कार्य की अनुमानित लागत :** 79,59,600/- **जमानत राशि (EMD) :** 1,59,190/- **ई-निविदा दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि व समय :** 29.12.2025 को 11:00 बजे तक **ई-निविदा खोलने की तिथि व समय :** 29.12.2025 को 11:00 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 0853

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (WA), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **ई-निविदा सूचना संख्या: BCT/25-26/271 दिनांक: 28.11.2025 कार्य एवं स्थान:** विरार–जोरा–वसन खंड – (i) CTR(P)=0.632 कि.मी., TRR(P)=4.416 कि.मी. एवं TSR(P)=3.404 कि.मी. (ii) यात्री लूपों पर TRR(P)=13.405 टीKM (iii) विरार–सूरत खंड के संबंध में TTR (TWS + WCMS) – 50 संख्याएं एवं TWSEJ – 26 संख्याएं साथ ही TTR (TWS + WCMS) – 87 संख्याएं एवं TWSEJ – 56 संख्याएं (iv) करंबेली – मौजूदा शंटिंग नेक के विस्तार में दक्षिण-पश्चिम दिशा में 720 मीटर अतिरिक्त मालगाड़ी लाइन का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत:** 5,05,46,210.66 **बयाना जमा (EMD):** 4,02,700/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 23.12.2025 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 23.12.2025 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। मैनुअल (हस्तचलित) निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। 0857

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

संपादकीय

डिजिटल अरेस्ट

यह विडंबना है कि जब तक देश में कथित डिजिटल अरेस्ट के नाम पर अनुमानित तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक ठगी की जा चुकी है, कई लोग अपनी जान गवां चुके हैं, अपराधियों पर शिकंजा कसने की बड़ी मुहिम शुरू हो पा रही है। वह भी सरकार के बजाय शीर्ष अदालत की पहल पर। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर गंभीर चिंता जताते हुए सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह अन्य साइबर अपराधों की जांच बाद में करे, डिजिटल अरेस्ट की जांच को अपनी प्राथमिकता बनाए। कोर्ट ने केंद्रीय बैंक से पूछा है कि क्या एआई की मदद से साइबर ठगों के खाते फ्रीज हो सकते हैं? कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि यदि किसी गंभीर डिजिटल अपराध का दायरा भारत से बाहर की सीमा में हो तो वह इंटरपोल की मदद ले सकती है। दुखद है कि साइबर अरेस्ट के मामलों में सबसे अधिक निशाना बुजुर्गों को ही बनाया जाता है, जिन्हें डिजिटल लेन-देन की गंभीर जानकारी नहीं होती। बुजुर्गों को निशाना बनाने का यह प्रतिशत 78 से 82 फीसदी बताया जाता है। कई जगह यह प्रतिशत 99 फीसदी तक है। वहीं जनवरी से अप्रैल 2024 में साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट के 46 फीसदी मामलों के तार म्यांमार,कंबोडिया और लाओस जैसे दक्षिण पूर्व एशिया के देशों से जुड़े रहे हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में डिजिटल गिरफ्तारी साइबर अपराध के सबसे कुटिल रूप में बनकर उभरी है। यह अपराध न केवल देश की वित्तीय सुरक्षा और स्थिरता के लिये, बल्कि कानून प्रवर्तन तंत्र में जनता के विश्वास के लिये भी बड़ा खतरा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि इन घोटालों की देशव्यापी जांच सीबीआई को सौंपने का सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय समय के अनुरूप सार्थक हस्तक्षेप है। इसी क्रम में कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में अपराधों की जांच के लिये सीबीआई को सहमति दें। दरअसल, न्यायालय ने इस हकीकत को स्वीकार किया है कि साइबर अपराधी राज्यों की सीमाओं का लाभ उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर टुकड़ों-टुकड़ों में जांच सीमा-पार के साइबर अपराधियों के नेटवर्क को बढ़ावा देती है। दरअसल, साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट के जरिये भोले-भाले लोगों व बुजुर्गों को निशाना बनाते हैं। वे कानून प्रवर्तन अधिकारी या जज बनकर मोटी रकम देने के लिये उन्हें आतंकित करते हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति से एक करोड़ रुपये की ठगी के बाद अदालत ने इस व्यापक समस्या का स्वतः संज्ञान लिया। उन्हें धमकाने के लिये सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेशों का इस्तेमाल किया गया। यह बेहद परेशान करने वाली स्थिति है कि साइबर अपराधी सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति लोगों के विश्वास को खतरे में डाल रहे हैं। तभी शीर्ष अदालत ने महसूस किया कि अब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा है, देश की केंद्रीय एजेंसी को इस मामले की तह तक तुरंत पहुंचना चाहिए। उल्लेखनीय है कि सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट के मामलों में एफआईआर दर्ज करने और धोखाधड़ी से जुड़े बैंक खातों को फ्रीज करने की पूरी छूट दी गई है। साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत बैंक अधिकारियों की कथित मिलीभगत की जांच का अधिकार भी दिया गया। इसके अलावा दूरसंचार विभाग को भी सिम कार्ड के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिये कहा गया है। निश्चित रूप से कोर्ट की सार्थक पहल के बाद यदि ये सभी उपाय सिरे चढ़ते हैं तो इस गंभीर अपराध के खिलाफ एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया दे पाना संभव होगा। कोर्ट ने विश्वास जताया है कि केंद्रीय एजेंसी बिना किसी भय या पक्षपात के जिम्मेदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेगी।

शख्सियत | आर.सी. मजूमदार

प्रसिद्ध भारतीय इतिहासकार

रमेश चंद्र मजूमदार (आरसी मजूमदार के नाम से प्रसिद्ध; 4 दिसंबर 1888 – 11 फ़रवरी 1980) एक भारतीय इतिहासकार और प्रोफेसर थे जो हिंदू राष्ट्रवादी विचारों को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते थे। उन्होंने मुख्य रूप से भारत के इतिहास का अध्ययन किया।

एक बैद्य परिवार से आने वाले मजूमदार का जन्म 4 दिसंबर 1888 को ब्रिटिश भारत (अब बांग्लादेश में) के बंगाल प्रेसीडेंसी के गोपालगंज के खंडारपाड़ा में हलधर मजूमदार और बिधुमुखी के घर हुआ था। उन्होंने ढाका और कलकत्ता (अब कोलकाता) के विभिन्न स्कूलों में पढ़ाई की और आखिरकार 1905 में उन्होंने कटक के रेवेनशॉ कॉलेज से प्रवेश परीक्षा पास की। 1907 में उन्होंने सुरेन्द्रनाथ कॉलेज से प्रथम श्रेणी की छात्रवृत्ति के साथ एफए पास किया और प्रेसीडेंसी कॉलेज, कलकत्ता में दाखिला लिया।

मजूमदार ने अपने शिक्षण करियर की शुरुआत ढाका के सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज में एक व्याख्याता के रूप में की थी। 1914 से, उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर के रूप में सात साल बिताए। उन्होंने अपने शोध प्रबंध, प्राचीन भारत में कॉर्पोरेट जीवन के लिए डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। 1921 में, वे नव स्थापित ढाका विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर बन गए। उन्होंने इतिहास विभाग के प्रमुख और कला संकाय के डीन के रूप में भी काम किया, जब तक कि वे इसके कुलपति नहीं बन गए। 1924 और 1936 के बीच, वह जगन्नाथ हॉल के प्रोवोस्ट थे। फिर वह 1937 से 1942 तक पांच साल के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति बने। वे भारतीय इतिहास कांग्रेस के महासचिव चुने गए और मानव इतिहास के लिए यूनेस्को द्वारा स्थापित 'मानव जाति के वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विकास के इतिहास के लिए अंतर्राष्ट्रीय आयोग' (1950-1969) के उपाध्यक्ष भी बने। मजूमदार ने प्राचीन भारत पर अपना शोध शुरू किया। दक्षिण पूर्व एशिया की व्यापक यात्राओं और शोध के बाद, उन्होंने चंपा (1927), सुवर्णद्वीप (1938) और कंबुज देश (1944) का विस्तृत इतिहास लिखा। भारतीय विद्या भवन की पहल पर, उन्होंने भारतीय इतिहास पर एक बहु-खंडीय ग्रंथ के संपादन का बीड़ा उठाया। 1951 से शुरू करके, उन्होंने छब्बीस वर्षों तक वैदिक काल से लेकर भारत की स्वतंत्रता तक के भारतीय लोगों के इतिहास को ग्यारह खंडों में वर्णित करने के लिए कड़ी मेहनत की। 1955 में, मजूमदार ने नागपुर विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ इंडोलॉजी की स्थापना की और प्रिंसिपल के रूप में शामिल हुए। 1958-59 में, उन्होंने शिकागो विश्वविद्यालय और पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में भारतीय इतिहास पढ़ाया।

1977 में जब ₹भारतीय लोगों का इतिहास और संस्कृति₹ का अंतिम खंड प्रकाशित हुआ, तब उनकी आयु अस्सी वर्ष हो चुकी थी। उन्होंने ढाका विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित बंगाल के तीन खंडों वाले इतिहास का संपादन भी किया। उनकी अंतिम पुस्तक ₹जीवनेर स्मृतिद्वीपे₹ थी।

सरकारी प्रायोजन से ₹स्वतंत्रता आंदोलन₹ पर लेखन का प्रस्ताव 1948 में आर.सी. मजूमदार ने रखा था। 1952 में शिक्षा मंत्रालय ने इतिहास संकलन के लिए एक संपादक मंडल नियुक्त किया। मंडल ने मजूमदार को निदेशक नियुक्त किया और उन्हें सामग्री छांटने, एकत्र करने और इतिहास का प्रारूप तैयार करने का काम सौंपा। हालाँकि, राजनेताओं और विद्वानों से मिलकर बने इस मंडल के सामंजस्यपूर्ण ढंग से काम करने की संभावना कम ही थी। शायद यही कारण था कि 1955 के अंत में इसे भंग कर दिया गया। यह योजना एक साल तक अधर में लटकी रही, जब तक कि सरकार ने इसे एक विद्वान को सौंपने का फैसला नहीं किया। मजूमदार को शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार तारा चंद को सौंपना पड़ा, जो एक इतिहासकार होने के साथ-साथ शिक्षा मंत्रालय के पूर्व सचिव भी थे। इसके बाद मजूमदार ने स्वतंत्र रूप से तीन खंडों में भारत में स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास लिखने का फैसला किया।

मसूरी में 600 प्रशिक्षु आईएएस और एक सवाल

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस, कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, उब्बा भवन, आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

मसूरी से उठता सवालः क्या हमारी प्रशासनिक शिक्षा केवल पुस्तकीय हो गई है? मसूरी में 600 प्रशिक्षु और एक सवाल जिसने सबको सोचने पर मजबूर किया। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का वास्तविक लक्ष्यः 'थिंकिंग एडमिनिस्ट्रेटर' तैयार करना। प्रशिक्षण का अर्थ केवल पाठ नहीं।

मसूरी की कक्षाओं में उठा एक छोटा-सा सवाल, बड़ी सीख। प्रशासनिक प्रशिक्षण का आईनाः जब लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में एक साधारण सवाल ने बड़ा संदेश दिया। उत्तराखंड के मसूरी में 100वाँ फाउंडेशन कोर्स और नेतृत्व की बुनियादी समझ पर गहरा संकेत।

उत्तराखंड के शांत, अनुशासित और सुसंस्कृत वातावरण में स्थित मसूरी का प्रसिद्ध प्रशासनिक अकादमी परिसर—लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी—देश के सर्वोच्च सिविल सेवकों के निर्माण का केंद्र बिंदु है। यहाँ आज भी 600 से अधिक प्रशिक्षु अधिकारी भविष्य के भारतीय प्रशासन की रूपरेखा तय करने की तैयारी में डटे हैं। हाल ही में 100वें फाउंडेशन कोर्स का समापन समारोह आयोजित किया गया, जो किसी भी संस्थान के लिए गौरव का क्षण होता है। इस अवसर पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ा दी।

समारोह के दौरान रक्षा मंत्री ने एक सरल-सा गणितीय प्रश्न पूछा— "एक आदमी के पास कुछ पैसे थे। उसने आधा ए को, एक-तिहाई बी को और शेष 100 रुपये सी को दिए। बताइए, कुल पैसा कितना था?"

दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाला यह सीधा-सा सवाल प्रशिक्षुओं के लिए अप्रत्याशित सिद्ध हुआ। कई प्रशिक्षु अधिकारी प्रश्न में उलझ गए, जबकि समाधान उंगलियों पर किया जा सकता था। बाद में स्वयं राजनाथ सिंह ने इसे सरल तरीके से हल कर समझाया। यह घटना भले ही साधारण प्रतीत हो, पर प्रशासनिक प्रशिक्षण और नेतृत्व क्षमता की वास्तविक दिशा पर यह बेहद महत्त्वपूर्ण संकेत देती है।

प्रशासनिक कार्यों का मूल तत्व केवल कानून और नियमों का ज्ञान नहीं, बल्कि तुरंत समझने, तर्क लागू करने और व्यवहारिक समाधान निकालने की क्षमता है। कभी-कभी सबसे कठिन परिस्थितियों में सर्वाधिक सरल समाधान ही सर्वश्रेष्ठ होता है—पर इसके लिए मन का खुलापन और व्यावहारिक सोच आवश्यक होती है। यही गुण एक सक्षम प्रशासक को भीड़ से अलग करता है।

यह घटना इस बात का स्मरण भी कराती है कि सिविल सेवा केवल अकादमिक बौद्धिकता का अभ्यास नहीं है; यह मानव स्वभाव, सामाजिक व्यवहार, त्वरित निर्णय-क्षमता और सामान्य समझ की माँग भी करती है। किसी भी शासन प्रणाली में सबसे प्रभावशाली अधिकारी वही होता है जो जटिल समस्याओं को सरलता से हल करने की क्षमता रखता हो।

प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि व्यवहारिक बुद्धि का विकास भी है। एक छोटा सा प्रश्न प्रशिक्षुओं को यह याद दिलाता है कि वास्तविक प्रशासन वही है जो खेत-खलिहान, बाज़ार, थाने, पंचायत भवन और कार्यालयों में घटित होता है—जहाँ जटिलताएँ कम और सादगी अधिक काम आती है।

राजनाथ सिंह द्वारा पूछा गया प्रश्न प्रशासनिक सोच के दो महत्त्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करता है—

पहला, अधिकारी का ध्यान समस्या के मूल की ओर होना चाहिए, न कि उसकी सतही जटिलता की ओर।

दूसरा, किसी भी चुनौती में घबराना नहीं, बल्कि उसे विभाजित कर सरल रूप में हल करना चाहिए।

सिविल सेवाओं में ऐसे अनेक अवसर आते हैं जब अधिकारी को अचानक लिए गए निर्णयों के आधार पर जनता को राहत, दिशा और सुरक्षा प्रदान करनी होती है। यदि वह क्षणिक दबाव में भी सामान्य तर्क बनाए रखने में दक्ष है, तो वह बेहतर प्रशासक बन सकता है।

यह प्रसंग इस व्यापक प्रश्न को भी जन्म देता है कि आधुनिक प्रशिक्षण पद्धति कहीं अत्यधिक तकनीकी, सैद्धांतिक या औपचारिक तो नहीं हो गई है? क्या हम प्रशासन के मूल तत्व—सरलता, संवेदनशीलता और सामान्य विवेक—को नजरअंदाज तो नहीं कर रहे?

सिविल सेवा का इतिहास बताता है कि देश के श्रेष्ठ अधिकारी वही रहे, जिन्होंने अत्यधिक बुद्धि के साथ-साथ सरल सोच, जन-संपर्क की क्षमता और सहज निर्णय-प्रक्रिया अपनाई। आज जब देश नई चुनौतियों—प्रौद्योगिकी, जटिल प्रशासनिक व्यवस्था, विस्तृत जनसंख्या और त्वरित परिवर्तनों—से गुजर रहा है, तब एक प्रशासक की भूमिका और भी विस्तृत और बहुआयामी हो चुकी है।

ऐसे समय में यह आवश्यक है कि प्रशिक्षण केवल परीक्षाओं और पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न हो। उसमें व्यवहारिक गणित, तर्कशक्ति, सामान्य समझ, मनोवैज्ञानिक संतुलन और परिस्थितिजन्य विश्लेषण को भी समुचित स्थान मिले।

राजनाथ सिंह द्वारा हल्का-सा पूछा गया यह प्रश्न प्रशासनिक तंत्र को यह संदेश देता है कि नेतृत्व की असल परीक्षा कभी-कभी छोटे-छोटे क्षणों में ही होती है। बड़े निर्णयों का आधार भी वही अधिकारी बनता है जो बेसिक समझ को खोने नहीं देता।

इस प्रसंग से यह भी स्पष्ट होता है कि प्रशिक्षण के दौरान आने वाले ऐसे अप्रत्याशित प्रश्न अधिकारी के मन को गति देते हैं, उसे दबाव में सोचने की क्षमता प्रदान करते हैं और वास्तविक प्रशासनिक दुनिया के लिए मानसिक रूप से तैयार करते हैं।

समय के साथ यह आवश्यक हो गया है कि सिविल सेवा प्रशिक्षण अकादमियाँ इस प्रकार के संवाद, प्रश्न-आधारित परीक्षण और व्यवहारिक अभ्यास को और भी अधिक बढ़ाएँ। इससे अधिकारी न केवल जनसेवा के लिए अधिक तैयार होंगे बल्कि प्रशासनिक जटिलताओं को सहजता से हल करने की क्षमता भी विकसित करेंगे।

निष्कर्षतः, मसूरी में घटित यह छोटा-सा घटना क्रम इस बात का प्रतीक है कि नेतृत्व की ताकत केवल बड़े भाषणों या उच्च ज्ञान में नहीं, बल्कि सरल तर्क और मौलिक समझ में भी निहित होती है। सिविल सेवा के भविष्य को आकार देने वाले प्रशिक्षुओं के लिए यह एक स्मरणीय संदेश है—प्रशासन की महानता सरलता में है, न कि जटिलता में।

जीवन मंत्र

सत्य तभी प्रकट होता है, जब मन निर्मल और निडर हो

निडरता सत्य तक पहुँचने का दूसरा आवश्यक गुण है। बहुत बार हम सत्य जानते हैं, लेकिन डर के कारण उसे व्यक्त नहीं कर पाते। डर हमें कमजोर बनाता है और झूठ का सहारा लेने पर मजबूर करता है।

सत्य जीवन का आधार है, लेकिन हर कोई इसे तुरंत नहीं देख पाता। झूठ, भय और स्वार्थ की परतें अक्सर सत्य को ढक देती हैं। जब मन लोभ, ईर्ष्या और संकीर्ण विचारों से भरा हो, तो सत्य की पहचान कर पाना कठिन हो जाता है। यह बिल्कुल वैसे है जैसे धूल से ढके दर्पण में अपनी छवि साफ़ दिखाई नहीं देती। जब तक हम अपने मन को इन विकारों से मुक्त नहीं करेंगे, तब तक सत्य हमारे सामने नहीं आ पाएगा।

निर्मल मन का अर्थ है—साफ़ और सच्चा मन। जब कोई व्यक्ति निष्कपट होकर सोचता है, दूसरों का भला चाहता है और अपने विचारों में ईमानदारी रखता है, तब उसका मन निर्मल माना जाता है। ऐसे मन में स्वार्थ और छल-कपट की जगह नहीं होती। निर्मलता के बिना सत्य का प्रकाश दिखाई नहीं दे सकता, क्योंकि सत्य हमेशा पवित्रता और सादगी में ही प्रकट होता है।

निडरता सत्य तक पहुँचने का दूसरा आवश्यक गुण है। बहुत बार हम सत्य जानते हैं, लेकिन

डर के कारण उसे व्यक्त नहीं कर पाते। डर हमें कमजोर बनाता है और झूठ का सहारा लेने पर मजबूर करता है। जब तक हम भय से मुक्त नहीं होंगे, तब तक सत्य को जी नहीं पाएंगे। निडर व्यक्ति ही सच्चाई का सामना करने का साहस जुटा सकता है और कठिन परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग चुन सकता है।

निर्मलता और निडरता का मेल ही सत्य की ओर ले जाता है। यदि मन निर्मल है लेकिन उसमें डर है, तो सत्य अधूरा रह जाएगा। इसी तरह, यदि मन निडर है लेकिन शुद्ध नहीं, तो सत्य विकृत हो जाएगा। इसलिए दोनों गुणों का संतुलन आवश्यक है। जब मन स्वच्छ होता है और हृदय साहस से भरा होता है, तब सत्य स्वतः ही स्पष्ट हो जाता है, और व्यक्ति अपने जीवन में सही निर्णय ले पाता है।

इसलिए यह कथन हमें यह प्रेरणा देता है कि हमें अपने भीतर की नकारात्मकता को त्यागकर आत्मा को निर्मल बनाना चाहिए और हर परिस्थिति में सत्य बोलने और स्वीकार करने का साहस रखना चाहिए। यही वह मार्ग है जिससे व्यक्ति अपने जीवन को सफल, सार्थक और उज्ज्वल बना सकता है। सत्य केवल बाहरी दुनिया का नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और आत्मज्ञान का भी द्वार खोलता है।

जीवन ऊर्जा | के.एस. कृष्णन : जन्म – 4 दिसंबर, 1898 | जन्म

सच कहने और मानने से कभी नहीं डरना चाहिए

सर करियामणिक्कम श्रीनिवास कृष्णन (4 दिसंबर 1898 – 14 जून 1961) एक भारतीय भौतिक विज्ञानी थे। वे रमन प्रकीर्णन के सह-खोजकर्ता थे, जिसके लिए उनके गुरु सी.वी. रमन को 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिया गया था।

सच्चाई मानव जीवन की सबसे मजबूत नींव मानी जाती है। जब कोई व्यक्ति सच पर आधारित बात को कहने या मानने का साहस रखता है, तो वह अपने भीतर की नैतिकता को जीवित रखता है। अक्सर लोग डर, समाज का दबाव या किसी परिणाम के भय से सच बोलने से हिचकते हैं, लेकिन सच हमेशा व्यक्ति की आत्मा को हल्का करता है। सच का साथ देने से इंसान ईमानदार और चरित्रवान बनता है।

सच बोलने में कभी-कभी कठिनाइयाँ आती हैं, क्योंकि कई बार सत्य

लोगों को असुविधाजनक लगता है या उनके हितों को प्रभावित करता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमें झूठ का सहारा लेना चाहिए। सच का सामना करना साहस मांगता है, और यह साहस हर व्यक्ति के जीवन को मजबूत बनाता है। सच पर टिके रहने वाले लोग समाज में सम्मान पाते हैं, भले ही शुरू में लोग उन्हें न समझें।

सच को कहना ही नहीं, बल्कि उसे मानना और उसके अनुसार आचरण करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कई बार हम सच जानते हैं, लेकिन परिस्थितियों से बचने के लिए उसे स्वीकार नहीं करते। ऐसा करने से हमारा मन अंदर ही अंदर बोझिल हो जाता है। परंतु जब हम सत्य स्वीकार करते हैं, तब हमारे जीवन में स्पष्टता, शांति और आत्मविश्वास बढ़ता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भागवत कथा सुनने से ईश्वर–भक्ति बढ़ती है

ब महात्मा गोकर्ण जी ने महाप्रेत धुंधुकारी के उद्धार के लिए श्रीमद्भागवत की कथा सुनायी थी तब धुंधुकारी के बैठने के लिए कोई बांस की अलग से व्यवस्था नहीं की थी, बल्कि उसके बैठने के लिए एक सामान्य आसन ही बिछाया गया था। महात्मा गोकर्ण जी ने धुंधुकारी का आह्वान किया और कहा भैया धुंधुकारी आप जहाँ कहीं भी हों आकरके इस आसन पर बैठ जाईए। यह भागवत जी की परम् पवित्र कथा विशेषकर तेरे लिए ही हो रही है। इसको सुनकर तुम इस प्रेत योनि से मुक्त हो जाओगे। अब धुंधुकारी का कोई शरीर तो था नहीं। जो आसन पर स्थिर रहकर भागवत जी की कथा सुन पाते। वह जब जब आसन पर बैठने लगता हवा का कोई झोंका आता और उसे कहीं दूर उड़ाकर ले जाता। ऐसा उसके साथ बार-बार हुआ।

वह सोचने लगा कि ऐसा क्या किया जाये कि मुझे हवा उड़ा ना पाए और मैं सात दिन तक एक स्थान पर बैठकर भागवत जी की मंगलमयी कथा सुन पाऊँ। जिससे मेरा उद्धार हो जाये और मेरी मुक्ति हो जाये। वह सोचने लगा कि मेरे तो अब माता-पिता भी नहीं हैं, जिनके भीतर प्रवेश करके या उनके माध्यम से मैं कथा सुन पाता वो भी मेरे ही कारण मृत्यु को प्राप्त हो चुके हैं। मेरे परिवार का तो कोई सदस्य भी नहीं बचा, जिनके माध्यम से मैं भागवत जी की मोक्षदायिनी कथा सुन पाऊँ।

अब तो सिर्फ मेरे सौतेले भाई महात्मा गोकर्ण ही बचे हैं, जिनका जन्म गऊ माता के गर्भ से हुआ है, लेकिन उनके अन्दर मैं कैसे प्रवेश कर सकता हूँ। क्योंकि वो तो पवित्र व्यास पीठ पर बैठकर मुझे परमात्मा की अमृतमयी कथा सुनाने के लिए उपस्थित हैं। वह धुंधुकारी महाप्रेत ऐसा विचार कर ही रहा था कि उसने देखा जहाँ व्यास मंच बना हुआ है। वहाँ बांस का एक बगीचा भी है और उसकी नजर एक सात पोरी के

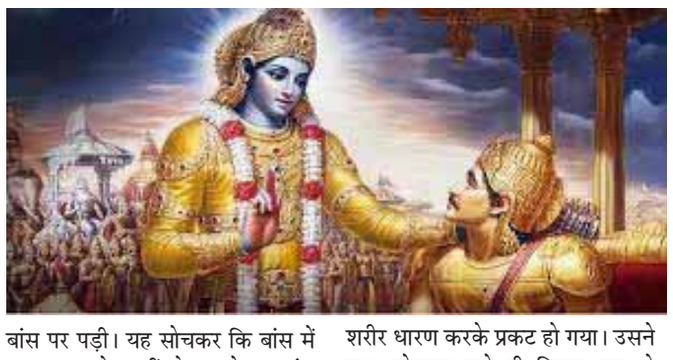

बांस पर पड़ी। यह सोचकर कि बांस में हवा का प्रकोप नहीं होगा। सो वह बांस के अन्दर प्रवेश कर गया और बांस की पहली पोरी में जाकर बैठ गया।

पहले दिन की कथा के प्रभाव से बांस की पहली पोरी चटक गयी। धुंधुकारी दूसरी पोरी में जाकर बैठ गया। दूसरे दिन की कथा के प्रभाव से दूसरी पोरी चटक गयी। धुंधुकारी तीसरी पोरी में जाकर बैठ गया। ऐसे ही प्रतिदिन की कथा के प्रभाव से क्रमशः बांस की एक-एक पोरी चटकती चली गयी। और जब अन्तिम सातवें दिन की कथा चल रही थी तो धुंधुकारी महाप्रेत भी अन्तिम सातवीं पोरी में ही बैठा हुआ था।

अब जैसे ही अन्तिम सातवें दिन भागवत जी की कथा का पूर्ण विश्राम हुआ तो बांस बीच में से दो फाड़ हो गया और धुंधुकारी महाप्रेत देवताओं के समान शरीर धारण करके प्रकट हो गया। उसने हाथ जोड़कर बड़े ही विनय भाव से महात्मा गोकर्ण जी का धन्यवाद किया और कहा भैया जी मैं आपका शुक्रिया किन शब्दों में करुँ। मेरे पास तो शब्द भी नहीं हैं आपने जो परमात्मा की मंगलमयी पवित्र कथा सुनाई देखो उस महाभयंकर महाप्रेत योनि से मैं मुक्त हो गया हूँ।

और मुझे अब देव योनि प्राप्त हो गयी है आपको मेरा बारंबार प्रणाम तभी सबके देखते-देखते धुंधुकारी के लिए भगवान के धाम से सुन्दर विमान आया और धुंधुकारी विमान में बैठकर भगवान के धाम को चले गए। सही मायने में सात पोरी का बांस और कुछ नहीं हमारा अपना शरीर ही है। हमारे शरीर में मुख्य सात चक्र हैं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

अपने विचार

विपक्ष जितना हारता जा रहा है, उतना ही वो बौखलाता जा रहा है, आज संसद बिल्कुल भी नहीं चली, पूरा देश ये देख रहा है कि विपक्ष लोगों की नजरों से गिरता जा रहा है और एक के बाद एक चुनाव हारता जा रहा है।

–**कंगना रनौत**, भाजपा सांसद

जब मैंने राज्यसभा MP के तौर पर साइन किया, तो सबसे पहले मेरे दिमाग में मेरे पिता और मां आए, मैं स्कूल ड्रॉपआउट था और मेरी मां हमेशा मुझसे कहती थीं कि अगर मैंने कम से कम SSLC परीक्षा पास कर ली होती।

–**कमल हासन**, राज्यसभा सांसद

कांग्रेस ने यह एक बड़ी साजिश के तहत किया है और राजनीतिक ड्रामा कर रही है। भाषण देने के बजाय, कांग्रेस को नेशनल हेराल्ड की लूट का जवाब देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मान लिया है कि यह धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला है और गांधी–नेहरू परिवार को ट्रायल का सामना करना पड़ेगा।

–**तरुण चुघ**, राष्ट्रीय महासचिव, BJP

राज्य सरकार पहले कुछ और सोच रही थी। अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कुछ और सोच रही होंगी। वक्फ संपत्तियां बेहद महत्वपूर्ण हैं। आगे क्या होगा, हम नहीं जानते, लेकिन लड़ाई लंबी और कठिन होगी। यदि वक्फ की संपतियां छीनी गईं, तो मुसलमान चुप नहीं बैठेंगे।

–**सिद्दीकुल्लाह चौधरी**, मंत्री,पश्चिम बंगाल

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

अल-हम्द हाई स्कूल में वार्षिक खेलकूद स्पर्धा का भव्य शुभारंभ

भिवंडी। अल-हम्द हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज ग्राउंड पर रेड, ग्रीन, येलो और ब्लू हाउस के बीच तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद स्पर्धा का उद्घाटन 2 दिसंबर 2025 को सचिव रियाजुद्दीन खान की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अल-हयात हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. आसिफ अंसारी और विशेष अतिथि खारिक जगन्नाथ व हाजी सिराजुद्दीन मौजूद थे। छात्रों ने खेल प्रभारी मोमिन अनीसा और गफ्फार खान के मार्गदर्शन में मार्च पास, पिरामिड, लेजिम, स्लो मोशन स्पोर्ट्स, फायर इवेंट, टग ऑफ वॉर व अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अतिथियों को सलामी दी। मुख्य अतिथि ने खेलों के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को प्रोत्साहित किया, जबकि विशेष अतिथि ने उन्हें अनुशासन और देशप्रेम की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन मोमिन मुहम्मद सर और शमीम अंसारी ने किया, और प्रिंसिपल खान शबनम रेयाजुद्दीन ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्टाफ का सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

5 जनवरी को मनपा का लोकशाही दिवस, 22 दिसंबर तक कर सकते हैं आवेदन

ठाणे। ठाणे मनपा का अगला लोकशाही दिवस 5 जनवरी 2026 को आयोजित होगा, जिसके लिए नागरिकों को अपने आवेदन 22 दिसंबर से पहले मनपा मुख्यालय में जमा करने होंगे। प्रत्येक आवेदन के साथ फॉर्म-1(B) संलग्न करना आवश्यक है, जो मुख्यालय में उपलब्ध है। महाराष्ट्र शासन के 26 सितंबर 2012 के सर्कुलर के अनुसार, लोकशाही दिवस पर सीधे आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे, बल्कि नागरिकों को दो प्रतियां तय समय से 15 दिन पहले जमा करनी होंगी। इस दिन केवल वही शिकायतें ली जाएंगी जो ज़िला लोकशाही दिवस में प्रस्तुत की जा चुकी हैं या जिन पर एक महीने से कार्रवाई लंबित है। नागरिकों को अपना ज़िला लोकशाही दिवस का टोकन नंबर बताना होगा और एक आवेदन में केवल एक ही शिकायत स्वीकार की जाएगी। कोर्ट, लोकायुक्त, आरटीआई से जुड़े मामले, राजनीतिक लेटरहेड वाले आवेदन या पहले से निराकरण किए गए मामलों पर आधारित एप्लीकेशन स्वीकार नहीं होंगी, जब तक कि शिकायत पूरी तरह व्यक्तिगत न हो।

दिव्यांग कार्यालय और ऑनलाइन पोर्टल का उद्घाटन

भिवंडी। विश्व दिव्यांग दिवस पर भिवंडी–निजामपुर महानगरपालिका ने दिव्यांगजन कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए दिव्यांग कार्यालय और दिव्यांग पोर्टल का शुभारंभ किया। आयुक्त अनमोल सागर ने कहा कि प्रशासन दिव्यांग नागरिकों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है, और नए पोर्टल के माध्यम से वे घर बैठकर अपनी जानकारी पंजीकृत कर विभिन्न योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। उद्घाटन समारोह में अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, नयना ससाणे और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शहर की संस्थाओं, दिव्यांग कर्मचारियों तथा सामाजिक संगठनों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की, जबकि उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांग कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया।

कैंसर डायग्नोसिस वैन को मिल रहा अच्छा प्रतिसाद

▶▶ कुल 5,143 नागरिकों की जांच की गई

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे ज़िले में लोगों की हेल्थ सिक्योरिटी को मजबूत करने के लिए शुरू की गई कैंसर डायग्नोसिस पहल को कम समय में बेहतरीन प्रतिसाद मिला है। 3 नवंबर से 29 नवंबर 2025 तक जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे के मार्गदर्शन में चलाई गई इस पहल के तहत कैंसर डायग्नोस्टिक वैन ने हज़ारों लोगों तक पहुँच बनाई। इसका मुख्य उद्देश्य कैंसर का समय रहते पता लगाना, मरीजों को तुरंत इलाज के लिए जोड़ना और कैंसर को लेकर जागरूकता बढ़ाना है।

टेस्टिंग के आंकड़े

3 नवंबर से 29 नवंबर 2025 के बीच कुल 5,143 नागरिकों की जांच की गई। इनमें 2,441 लोगों के ओरल कैंसर, 1,492 महिलाओं के ब्रेस्ट कैंसर और 1,210 महिलाओं के सर्वाइकल कैंसर के टेस्ट हुए। जांच में कुल 53 लोग संदिग्ध पाए गए—5 ओरल कैंसर, 34 ब्रेस्ट कैंसर और 14 सर्वाइकल कैंसर के संदिग्ध मरीज शामिल हैं। इनमें से 8 सैंपल आगे की विस्तृत जांच के लिए लैब में भेजे गए हैं।

वैन की खासियत और सेवाएं

ज़िले के अलग-अलग गांवों में पहुंची इस कैंसर डायग्नोसिस वैन के ज़रिए लोगों की फ्री स्क्रीनिंग की गई। वैन के माध्यम से तीन प्रमुख कैंसर—ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल—की जांच की गई। तय शेड्यूल के अनुसार ये टेस्ट कल्याण, भिवंडी, अंबरनाथ, मुरबाड और शाहपुर तहसीलों में किए गए। ज़िला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार और ज़िला हेल्थ ऑफिसर डॉ. गंगाधर पारगे ने बताया कि सेवा बेहद कम समय में बड़ी संख्या में नागरिकों तक पहुंची और पहल पूरी तरह सफल साबित हुई।

जागरूकता ने बढ़ाया प्रभाव

तहसील हेल्थ ऑफिसर, प्राइमरी हेल्थ सेंटर के मेडिकल ऑफिसर, हेल्थ वर्कर्स और आशा सेविकाओं ने गांव-गांव जाकर लोगों को इस पहल की जानकारी दी। लोकल NGO और ग्राम पंचायतों ने भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। ग्रामीणों को नज़दीक ही स्क्रीनिंग सुविधा उपलब्ध होने से खासकर महिलाओं में जागरूकता और भागीदारी बढ़ी। यह पहल ग्रामीण इलाकों में कैंसर से जुड़ी गलतफहमियों को दूर करने, बीमारी का जल्दी पता लगाने और समय पर इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई है। हेल्थ अवेयरनेस और आसान जांच सुविधा के कारण लोगों में भरोसा बढ़ा है और ज़िला प्रशासन का यह प्रयास समाज में स्वस्थ बदलाव लाने की दिशा में एक सफल मॉडल बनकर उभरा है।

30वां पंडित राम मराठे मेमोरियल म्यूजिक फेस्टिवल का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

30वां संगीत भूषण पंडित राम मराठे मेमोरियल म्यूजिक फेस्टिवल कल (5 दिसंबर) से राम गणेश गडकरी रंगायतन, ठाणे में शुरू होगा। यह तीन दिवसीय फेस्टिवल 5 से 7 दिसंबर, 2025 तक ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में डांस, म्यूजिक, सिंगिंग और म्यूजिकल ड्रामा जैसे विभिन्न कला रूपों का समावेश होगा। दर्शकों को शास्त्रीय गायन के साथ कथक नृत्य और संगीतमय नाटक का आनंद मिलेगा। रंगायतन नाट्यग्रह में फेस्टिवल के लिए निशुल्क पास (टिकट) उपलब्ध हैं।

दूसरे दिन की प्रस्तुति

फेस्टिवल के दूसरे दिन, शनिवार, 6 दिसंबर को शाम 5.00 बजे श्री राजेंद्र गंगानी कथक नृत्य प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद रात 8.00 बजे सिंगर आरती अंकलिकर का परफॉर्मेंस होगा, जिसमें रोहित देव (तबला) और सिद्धेश बिचोलकर (हारमोनियम) साथ होंगे। रात 9.45 बजे उस्ताद शाहिद परवेज़ सितार पर प्रस्तुति देंगे और उन्मेष बनर्जी तबले पर उनका साथ देंगे।

उद्घाटन समारोह और सम्मान

फेस्टिवल का उद्घाटन शुक्रवार, 5 दिसंबर को शाम 7.00 बजे होगा। इस अवसर पर आशा खाडिलकर को संगीत भूषण पंडित राम मराठे अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस अवॉर्ड में 51,000 रुपए का नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र शामिल है। युवा कथक कलाकार निधि प्रभु को पंडित राम मराठे युवा अवॉर्ड दिया जाएगा, जिसमें 25,000 रुपए का नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र शामिल है। अवॉर्ड वितरण सेरेमनी रात 8.00 बजे होगी। इसके बाद, पंडित सुरेश बापट का सिंगिंग प्रोग्राम शाम 8.30 बजे शुरू होगा, जिसमें सुहास चितले (तबला) और नीला सोहोनी (हारमोनियम) उनके साथ मंच साझा करेंगी।

तीसरे दिन की विशेष प्रस्तुतियाँ

रविवार, 7 दिसंबर को सुबह 10.00 बजे वैशाली पोतदार डांस प्रस्तुत करेंगी। उसके बाद सुबह 11.00 बजे सावनी पारेकर का गायन होगा, जिसमें प्रसाद पाध्ये (तबला), राजस खासगीवाले (हारमोनियम), जुई पाठक और अर्चना गोरे गायन में साथ देंगी। दोपहर 12.00 बजे पंडित अनंत जोशी हारमोनियम पर प्रस्तुति देंगे, जिसमें समीर गणू, अक्षय अभ्यंकर और अभय दातार साथ होंगे। दोपहर 3.00 बजे संवेद आर्ट्स का म्यूज़िकल प्ले 'जय जय गौरीशंकर' पेश किया जाएगा।

संविधान दिवस के अवसर पर अलग-अलग कार्यक्रम का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (BARTI), पुणे की ओर से संविधान दिवस के अवसर पर ठाणे ज़िले में समतादूतों के माध्यम से संविधान सप्ताह मनाया जा रहा है। 26 नवंबर को ओपनिंग सेरेमनी में 'वॉक फॉर द कॉन्स्टिट्यूशन' रैली निकाली गई और सामूहिक रूप से प्रस्तावना का वाचन किया गया। इसके साथ ही संविधान के महत्व, आर्टिकल्स, अधिकार एवं कर्तव्यों पर आधारित निबंध, भाषण, क्विज़, ज्ञानवर्धन कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। यह सप्ताह 2 दिसंबर तक चलेगा। कार्यक्रम BARTI के डायरेक्टर जनरल सुनील वारे, रजिस्ट्रार विशाल लोंढे, डिपार्टमेंट हेड डॉ. बबन जोगदंड के मार्गदर्शन और ठाणे जिला प्रोजेक्ट ऑफिसर मेघा मनोज पवार की देखरेख में संचालित हो रहा है।

स्कूलों- कॉलेजों में संविधान आधारित प्रतियोगिताएँ और जागरूकता कार्यक्रम

संविधान के अमृत जयंती वर्ष पर सामाजिक न्याय विभाग द्वारा पूरे राज्य में विशेष गतिविधियाँ चल रही हैं। इसी पहल के तहत BARTI द्वारा 26 नवंबर से 2 दिसंबर 2025 तक जिलेभर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शेनवे डिवीजन हाई स्कूल, विद्या प्रसारक मंडल शाह सरूपचंद कॉलेज, महात्मा ज्योतिबा फुले आश्रम स्कूल, आरके अभ्यंग कॉलेज, बहुजन हिताय बुद्ध विहार, मॉडल स्कूल, नवी मुंबई मनपा स्कूल नंबर 22 समेत कई शिक्षण संस्थानों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। छात्रों में संविधान जागरूकता बढ़ाने के लिए सप्ताहभर संविधान-आधारित क्विज़, निबंध, वक्तृत्व प्रतियोगिताएँ, प्रस्तावना का सामूहिक वाचन तथा अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं। जिले के सभी इक्वालिटी एंबेसडरों के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर भी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है।

टीओजीएस व टीएमसी मेडिकल कॉलेज का सर्जिकल वर्कशॉप

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

छत्रपति शिवाजी महाराज मेडिकल कॉलेज और ठाणे डिस्ट्रिक्ट गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त प्रयास से छत्रपति शिवाजी महाराज मेडिकल हॉस्पिटल में एक दिन की सर्जिकल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. स्वप्नाली कदम और TOGS के प्रेसिडेंट डॉ. महेश जोशी मुख्य अतिथि रहे। वर्कशॉप में पारंपरिक तरीकों से यूट्रस निकालने की वजाइनल हिस्टेरेक्टॉमी, लेजर-असिस्टेड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी, मायोमेक्टोमी जैसी कई तरह की सर्जरी प्रदर्शित की गईं। इस मौके पर सर्जिकल एक्सपर्ट डॉ. वनिता राउत, डॉ. राजेंद्र सकपाल, डॉ. उद्धव राज, डॉ. सुयश नवल, डॉ. जयनारायण सेनापति और डॉ. रेखा थोटे उपस्थित थे।

गायनेकोलॉजिस्ट्स को मिली प्रैक्टिकल गाइडेंस

इस वर्कशॉप की योजना ठाणे गायनेकोलॉजिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. महेश जोशी, सेक्रेटरी डॉ. नागेश्वरी नंदा, ट्रेजरर डॉ. नूपुर मित्तल और उनके एग्जीक्यूटिव मेंबर्स ने बनाई थी। गायनेकोलॉजी विभाग के हेड डॉ. जयनारायण सेनापति, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मिस्बाह मुल्ला, डॉ. सुनीता उबाले, डॉ. ममता आनंद और हॉस्पिटल के सभी रेजिडेंट डॉक्टर्स इस वर्कशॉप में शामिल हुए। इसमें सौ से अधिक गायनेकोलॉजिस्ट्स ने भाग लिया और नए डॉक्टरों को जटिल सर्जरी करने के तरीकों के बारे में प्रैक्टिकल गाइडेंस दी गई।

उल्हासनगर में मतदाता सूची में भारी गड़बड़ी

आयोग की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न, आयुक्त से तत्काल सुधार की मांग की

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका की मतदाता सूची में गंभीर त्रुटियाँ सामने आई हैं, जहाँ हज़ारों नागरिकों के नाम गलत या असंबंधित वार्डों में दर्ज किए गए हैं। उद्धव सेना के ज़िला अध्यक्ष धनंजय बोडारे ने आरोप लगाया कि इस गड़बड़ी से आगामी चुनावों में भ्रम और अव्यवस्था बढ़ सकती है। बोडारे ने मनपा आयुक्त से तत्काल सुधार की माँग की है।

सत्तारूढ़ नेताओं के आचरण पर भी सवाल

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोडारे ने सत्तारूढ़ दल के कुछ नेताओं के कथित व्यवहार की भी आलोचना की। उन्होंने विधायक संतोष बांगर और संजय शिरसाट के बच्चों से जुड़े घटनाक्रमों का हवाला देते हुए नाराज़गी जताई और कहा कि ऐसे कृत्य महाराष्ट्र की संस्कृति के अनुकूल नहीं हैं। बोडारे ने चेतावनी दी कि यदि चुनावी प्रक्रिया और शासन में सुधार नहीं हुआ तो देश में अस्थिरता बढ़ सकती है और हालात श्रीलंका-नेपाल जैसे हो सकते हैं। विपक्ष ने मतदाता सूची की गड़बड़ियों पर कड़ा असंतोष जताया है और अब शहर की नज़र मनपा प्रशासन के अगले कदम पर है।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

बोडारे के अनुसार विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा सैकड़ों आपत्तियाँ दर्ज कराई गई हैं, जिससे चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में दिखी अव्यवस्था ने लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गहरा असर डाला है। बोडारे ने आरोप लगाया कि चुनावी धांधली के मामलों में महाराष्ट्र उत्तर प्रदेश और बिहार से भी आगे पहुँच गया है, जिससे जनता में सरकार और चुनाव आयोग के प्रति अविश्वास बढ़ा है।

बांद्रा टर्मिनस और भुज के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाएगी पश्चिम रेलवे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

यात्रियों की सुविधा के लिए तथा अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस – भुज स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर पूर्ण आरक्षित सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09037 बांद्रा टर्मिनस – भुज सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार एवं शनिवार को बांद्रा टर्मिनस से 14:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:50 बजे भुज पहुंचेगी। यह ट्रेन 06 दिसम्बर, 2025 से 15 जनवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09038 भुज – बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को भुज से 17:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 07 दिसम्बर, 2025 से 16 जनवरी, 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद, ध्रांगध्रा, सामाख्याली, भचाऊ तथा गांधीधाम स्टेशनों पर ठहरेगी। यह ट्रेन पूर्णतः आरक्षित रहेगी तथा इस ट्रेन में एसी 3-टियर कोचेस रहेंगे।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे। अपनी देनदारी समय पर चुका पाएंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

वृष पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। आय में वृद्धि होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी।

मिथुन कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबारी अनुबंध होंगे। आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। योजना में परिवर्तन हो सकता है।

कर्क अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घरेलू कार्य समय पर होंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी।

सिंह वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें। रसोई में चोट लग सकती है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

कन्या प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी। तनाव रहेगा। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शरीर साथ नहीं देगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें।

वृश्चिक दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। थकान महसूस होगी।

धनु परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। निवेश में विवेक का प्रयोग करें। धनार्जन होगा।

मकर आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय-व्यापार लाभदायक रहेगा। पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें। शारीरिक कष्ट के योग हैं। लापरवाही न करें।

कुंभ धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

मीन स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है। भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। जल्दबाजी न करें।

क्षितिजों को चीरती पवित्र ध्वनि का रहस्य

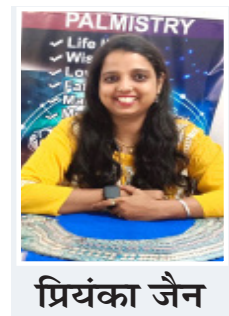

प्रियंका जैन
9769994439

शंख का संघटन, उसकी आकृति, उसकी धारियाँ, उसका घूमना—सब अपने अंदर एक विज्ञान समाहित किए हुए है। शंख की कुंडलाकार आकृति ब्रह्मांड की सर्पिल संरचना से मेल खाती है—आकाशगंगाएँ इसी घूमने वाले ब्रह्मांडीय सिद्धांत पर आधारित हैं। योग में शंख-प्रक्षालन, मुद्रा में शंख-मुद्रा, आयुर्वेद में शंख-भस्म, औषधियों में शंख-पुष्पी, यहाँ तक कि एक प्राचीन लिपि शंख-लिपि—ये सब उसी शक्ति की शाखाएँ हैं।

अब प्रश्न उठता है—क्या शंख धन दिलाता है? क्या वह व्यक्ति को शक्तिशाली बना सकता है? पुराण कहते हैं—हाँ, लेकिन कैसे?

शंख के अलग-अलग प्रकार अलग-अलग फल देते हैं। दक्षिणावर्ती शंख, जो अत्यंत दुर्लभ होता है, देव-स्वरूप माना गया है। इसका मुख दाईं ओर घूमता है, जो सामान्य शंखों के विपरीत है। यह शंख केवल पुण्य से प्राप्त होता है। जहाँ वह स्थापित हो—वहाँ लक्ष्मी निवास करती हैं। उसका स्पर्श, उसका जल, उसका नाद—सब धन-आकर्षण के माध्यम बन जाते हैं। कई व्यापारी अपने गल्ले में मोती शंख रखते हैं, और कहते हैं कि व्यापार अपने-आप बढ़ जाता है। क्यों? क्योंकि शंख – ध्वनि नहीं, नाद है। और नाद से ऊर्जा खिंचती है।

शंख के इतने नाम क्यों हैं? क्योंकि हर नाम उसकी किसी शक्ति का संकेत है। हरि-प्रिय, सुर-चर, जलोद्भव, अर्णवभव, त्रिरेख, महानाद—हर नाम उसके गुणों का परिचय देता है। वास्तु-दोष को दूर करने में भी शंख की भूमिका गंभीर है। घर के कोणों में होने वाली नकारात्मक ऊर्जा अक्सर स्थिर वायु, बंद वातावरण या दिशाओं के दोष के कारण पैदा होती है। शंख के जल का छिड़काव वायुमंडल में एक प्रकार का सूक्ष्म-क्लीनिंग इफ़ेक्ट पैदा करता है, जो वातावरण को पुनः जीवंत कर देता है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से शंख शायद सबसे चमत्कारी है। उसमें कैल्शियम, फास्फोरस, गंधक स्वाभाविक रूप से मौजूद होते हैं। शंखनाद से फेफड़े, गला, मुख, श्रवण और मस्तिष्क तक में कंपन पहुँचता है। योग कहता है—जो रोज शंख बजाए, उसे सांस की बीमारियाँ नहीं घेरतीं। शंख में रात भर रखा गया जल पेट के रोगों को ठीक कर देता है—यह कोई पुराण कथा नहीं, यह आयुर्वेद का प्रत्यक्ष अनुभव है।

शंख इतना शक्तिशाली क्यों है? क्योंकि वह नाद-ब्रह्म है। उसकी ध्वनि ॐ के सबसे निकट मानी गई है। यही कारण है कि युद्ध में, आरती में, देवपूजन में, विवाह में—हर शुभ कार्य में शंख की ध्वनि आवश्यक मानी गई। शंख का नाद केवल ध्वनि नहीं—मन को संहति देता है, भय को हरता है, साहस जगाता है।

और अंत में प्रश्न—क्या शंख व्यक्ति को शक्तिशाली बनाता है?

न्यूज़ ब्रीफ

शाही जामा मस्जिद-हरिहर मंदिर याचिका की सुनवाई स्थगित

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर घोषित करने की याचिका पर सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट में आज सुनवाई होनी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के स्टे आदेश के कारण सुनवाई स्थगित कर दी गई है। अब अगली सुनवाई 8 जनवरी 2026 को होगी। याचिका 19 नवंबर 2024 को आठ याचियों की ओर से सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट में दाखिल की गई थी। पिछली सुनवाई 6 नवंबर को हुई थी। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता श्री गोपाल शर्मा ने बताया कि मस्जिद पक्ष द्वारा कोर्ट के सर्वे आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की गई थी, जिसे हाई कोर्ट ने निरस्त कर दिया। इसके खिलाफ मस्जिद पक्ष सुप्रीम कोर्ट गया और वहां स्टे जारी हो गया, जिससे सिविल जज कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। शाही जामा मस्जिद के अधिवक्ता शकील अहमद वारसी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मामला पेंडिंग होने के कारण 8 जनवरी को सुनवाई तय की गई है और अभी तक कोई फाइनल ऑर्डर नहीं आया है। इस मामले में अब दोनों पक्ष आगामी सुनवाई का इंतजार कर रहे हैं।

मौलाना मदनी के बयान पर रज़वी बरेलवी का पलटवार

बरेली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी के हालिया जिहाद संबंधी बयान ने मुस्लिम धार्मिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। बुधवार को ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ़्ती शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की बातें देश के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करती हैं। मौलाना रज़वी ने आरोप लगाया कि मौलाना मदनी लगातार जिहाद का मुद्दा उठाकर देश में अनावश्यक तनाव पैदा कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि भारत जैसे शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक देश में जिहाद की बात करने का क्या मतलब है? रज़वी के अनुसार, ऐसे बयान हिंदू-मुस्लिम सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं और इसके नतीजे सबसे अधिक आम मुसलमानों को भुगतने पड़ते हैं। मौलाना रज़वी ने साफ कहा कि इस्लामी शरीयत के अनुसार भारत में जिहाद या हिजरत दोनों की कोई वैधता नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि आला हज़रत इमाम अहमद रज़ा ख़ां बरेलवी ने भी भारत को दरुस्सलाम—यानी सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण देश— बताया है, जहां मुसलमान अपनी सभी धार्मिक गतिविधियाँ पूरी स्वतंत्रता से कर रहे हैं।

कफ सिरप तस्करी : वाराणसी में दो ठिकानों पर लगा ताला

वाराणसी। नशीले कफ सिरप की अवैध तस्करी से जुड़े बहुचर्चित मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को वाराणसी में बड़ी कार्रवाई की। तीन सदस्यीय जांच टीम मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल की संपत्तियों और परिसरों की पड़ताल करने प्रहलादघाट स्थित उसके पैतृक आवास और सिगरा के 'दुर्गा निवास' पहुंची। कफ सिरप तस्करी से जुड़े धन के अवैध प्रवाह की जांच के लिए ईडी ने मनी लांड्रिंग के तहत प्रारंभिक केस दर्ज किया है। इसी क्रम में बुधवार को टीम वाराणसी में कार्रवाई करने पहुंची। ईडी की टीम जब प्रहलादघाट के कायस्थ टोला स्थित शुभम के घर पहुंची, तो मकान में ताला बंद मिला और कोई परिजन मौजूद नहीं था। टीम ने औपचारिक कार्रवाई के तहत घर के मुख्य दरवाजे पर नोटिस चस्पा कर दिया।

बाराबंकी की रहने वाली शिक्षिका की बिहार में हत्या

एजेंसी | अररिया

बिहार के अररिया जिले में बुधवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां स्कूल जा रही एक शिक्षिका को बाइक सवार दो बदमाशों ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना नरपतगंज प्रखंड के खाबदह कन्हैली शिव मंदिर के पास हुई। मृत शिक्षिका की पहचान शिवानी कुमारी के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के बाराबंकी की रहने वाली थीं और वर्तमान में फारबिसगंज अस्पताल रोड स्थित किराए के मकान में रहकर कन्हैली मध्य विद्यालय में सेवा दे रही थीं।

ग्रामीणों ने दी घटना की जानकारी

घायल शिक्षिका को अस्पताल पहुंचाने वाले स्थानीय निवासी सुधीर कुमार यादव ने बताया कि शिवानी कुमारी प्रतिदिन की तरह समय से स्कूल के लिए निकली थीं। शिव मंदिर के पास स्थित एक दुकान के सामने अचानक बाइक सवार दो बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी और भाग निकले। गोली की आवाज सुनते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन उनकी जान बचाई नहीं जा सकी। इस घटना से इलाके में दहशत और आक्रोश फैल गया है। पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है और सीसीटीवी फुटेज व अन्य तकनीकी सबूतों की सहायता से बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

घटना कैसे हुई

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब नौ बजे शिवानी कुमारी जैसे ही कन्हैली स्कूल के निकट शिव मंदिर के पास पहुंचीं, तभी बाइक पर आए दो अज्ञात अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगने के बाद शिक्षिका वहीं गिर पड़ीं। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें फारबिसगंज अनुमंडल अस्पताल पहुँचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के दौरान ही उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जांच जारी

घटना की सूचना पर फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा और नरपतगंज थाना पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल और अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अभियुक्तों की तलाश तेज कर दी गई है। एसडीपीओ साहा ने बताया कि हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चार फर्जी शिक्षकों पर निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने दर्ज कराया केस

एजेंसी | कटिहार

बिहार में शिक्षा विभाग में फर्जी नियुक्तियों पर लगातार बढ़ती सख्ती के बीच निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (सतर्कता विभाग), पटना की ताज़ा कार्रवाई ने पूरे जिले में हड़कंप मचा दिया है। ब्यूरो ने कटिहार जिले के कोढ़ा और आजमनगर थाना क्षेत्रों में कार्यरत चार शिक्षकों के खिलाफ अलग-अलग थानों में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्रारंभिक शिकायतों के बाद टीम ने विस्तृत जांच की, जिसमें पाया गया कि इन शिक्षकों ने नौकरी पाने के लिए जाली शैक्षणिक और प्रशिक्षण प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल किया था। जांच रिपोर्ट में प्रमाणित होने के बाद ब्यूरो ने तुरंत कार्रवाई करते हुए न केवल एफआईआर दर्ज कराई, बल्कि दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कदम उठाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। निगरानी ब्यूरो के पुलिस उपाधीक्षक श्रीराम चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद गहन सत्यापन अभियान चलाया गया। चारों आरोपितों के दस्तावेज संदिग्ध पाए गए और सत्यापन एजेंसियों से पुष्टि होने के बाद उन्हें पूरी तरह फर्जी घोषित किया गया।

कोढ़ा में तीन और आजमनगर में तीन एफआईआर

जिन शिक्षकों पर केस लिखा गया है, उसमें रंजन कुमार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मधुरा (कन्या), प्रखंड कोढ़ा में तैनात हैं। उन्होंने अमरावती विश्वविद्यालय (महाराष्ट्र) का फर्जी C.P.Ed. प्रमाण पत्र लगाकर नियुक्ति प्राप्त की। इसी तरह रूणा खातून, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मिया टोली, इमामनगर पर इल्जाम है कि उन्होंने जन्मतिथि में हेरफेर कर नियुक्ति पाई है। इसी तरह लैला खातून, प्राथमिक विद्यालय पैकवाहन ने कागजात में गलत जन्मतिथि दी। जबकि मो. साहिद हुसैन, सेवा निवृत शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय राघोपुर, ने भी जन्म तिथि में गलत जानकारी देकर नौकरी हासिल की है। अधिकारी ने बताया कि जांच में प्रमाण पत्रों की सत्यता संदिग्ध पाए जाने पर सभी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई तेजी से जारी है। सतर्कता विभाग की इस सख्त कार्रवाई को फर्जी नियुक्तियों पर रोक लगाने की बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

जांच को पहुंचे सिपाही पर जानलेवा हमला

एजेंसी | हमीरपुर

कुरारा थाना क्षेत्र के उमराहट गांव में मंगलवार देर रात हुई हिंसक घटना में शिकायत की जांच करने पहुंचे सिपाही को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा गया। हमले में सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि घटना के दौरान हुई भगदड़ में दो अन्य लोग भी जख्मी हो गए। स्थिति को तनावपूर्ण देखते हुए पुलिस ने गांव में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दिया है।

आरोपियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है, जिसके चलते पुलिस प्रशासन ने एहतियातन अतिरिक्त बल की तैनाती कर दी है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो। चौकी प्रभारी के मुताबिक, शिकायत की जांच के दौरान सिपाही पर अचानक हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने बिना किसी उकसावे के पुलिस टीम पर पथराव और धक्का-मुक्की की, जिससे हालात बिगड़ गए। वहीं, दूसरी ओर दूसरे पक्ष की महिलाओं ने बिल्कुल उलटा आरोप लगाते हुए कहा कि दरोगा ने जानबूझकर वाहन चढ़ाकर योगेश और मुकेश को घायल किया, जिसके बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई।

महिलाओं व परिजनों ने किया हमला

सूत्रों के अनुसार, उमराहट गांव में चौकीदार फूल सिंह निषाद के बेटे और पड़ोसी लाखन निषाद के पुत्र योगेश व मुकेश के बीच नशेबाजी को लेकर विवाद हुआ था। इसी शिकायत की जांच के लिए मनकी पुलिस चौकी के सिपाही आशीष मौर्या गांव पहुंचे थे। जैसे ही सिपाही मौके पर पहुंचा, आरोप है कि विवादित पक्ष के पुरुषों और महिलाओं ने उसे पकड़ लिया, बांध दिया और लाठी-डंडों से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। सिपाही की हालत बिगड़ने पर उसे तुरंत जिला अस्पताल भेजा गया, जहां से उसे कानपुर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पाते ही चौकी इंचार्ज राजेंद्र प्रसाद सरकारी वाहन से मौके पर पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें भी घेरने की कोशिश की और उनकी कार पर पथराव कर दिया। अपनी जान बचाने के लिए दरोगा को कार तेजी से निकालनी पड़ी, इसी दौरान योगेश और मुकेश गाड़ी की चपेट में आकर घायल हो गए।

काशी-तमिल संगमम: तमिल छात्रों ने जाना गंगा घाटों का इतिहास

एजेंसी | वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में चल रहे काशी-तमिल संगमम के दूसरे दिन बुधवार को तमिलनाडु से आए छात्रों ने हनुमान घाट पर पवित्र गंगा नदी में स्नान कर जीवन में सुख व समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। गंगा स्नान के बाद सभी तमिल मेहमानों ने घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। सभी मेहमानों को तमिल मंदिरों के इतिहास दिव्यता, भव्यता और इतिहास के बारे में जानकारी दी गई। तमिलनाडु से आए छात्रों का दल आज हनुमान घाट पहुंचा और गंगा स्नान कर पुण्य कमाया। आचार्यों ने छात्रों को गंगा के विभिन्न घाटों के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। इसके उपरांत तमिल मेहमान हनुमान घाट स्थित महाकवि सुब्रह्मण्य भारती के घर गए। वहां उनके परिवार के सदस्यों से उन्होंने मुलाकात की। छात्रों के दल में काफी कुछ जानने की जिज्ञासा दिखी। छात्रों ने महाकवि सुब्रह्मण्य भारती के घर

के समीप पुस्तकालय का भी भ्रमण किया और काफी कुछ वहां के बारे में जानकारियां भी प्राप्त कीं। इसके बाद छात्र दल कांची मठ पहुंचा और वहां के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। काशी में दक्षिण भारतीय मंदिर को देखकर युवाओं का दल उत्साहित दिखा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास से जुड़े पं वेंकट रमण घनपाठी ने बताया कि काशी और तमिलनाडु का आपस में बहुत गहरा रिश्ता है और ये समागम महज एक पखवाड़े का नही सदियों पुराना है। काशी के हनुमान घाट, केदारघाट, हरिश्चंद्र घाट पर मिनी तमिलनाडु बसता है। जहां एक दो नहीं बल्कि दक्षिण भारत के अलग-अलग राज्यों के हजारों परिवार बसते हैं, जो इन दोनों राज्यों के मधुर रिश्ते को दर्शाते हैं।

UP में रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य में बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। सरकार ने सभी 17 नगर निगम क्षेत्रों में रोहिंग्या बांग्लादेशियों की बनाएं सूची बनाने के भी निर्देश दिए हैं। रोहिंग्या बांग्लादेशियों की बनाएं सूची बनाने के भी निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार अब बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन में आ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी 17 नगर निगम क्षेत्रों में काम करने वाले रोहिंग्या बांग्लादेशियों की बनाएं सूची बनाने के भी निर्देश दिए हैं। इसके बाद कमिश्नर और आईजी को रोहिंग्या बांग्लादेशियों की सूची सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सरकार ने कमिश्नर और आईजी को यूपी के हर मंडल में डिटेंशन सेंटर बनाने का निर्देश दिया गया है।

कमजोर शुरुआत के साथ शेयर बाजार फिसला

▸▸ शुरुआती घंटे में सेंसेक्स–निफ्टी लाल निशान में

एजेंसी I नई दिल्ली

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार ने मिश्रित रुख के साथ शुरुआत की, लेकिन शुरुआती बढ़त टिक नहीं पाई। बाजार खुलने के कुछ ही मिनट बाद बढ़ती बिकवाली के दबाव ने सेंसेक्स और निफ्टी दोनों को लाल निशान में धकेल दिया। पहले एक घंटे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.33% और निफ्टी 0.40% गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

कंपनी शेयरों में मिश्रित रुझान

ट्रेडिंग के शुरुआती चरण में टीसीएस, डॉ. रेड्डीज, एचसीएल टेक्नोलॉजी और एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गज शेयर 0.12% से 1.03% की बढ़त में बने रहे। दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, श्रीराम फाइनेंस, मैक्स हेल्थकेयर, टाटा कंज्यूमर और एनटीपीसी के शेयरों में 1.07% से 1.62% तक की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार में गिरावट का व्यापक असर

अब तक कुल 2,253 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 748 शेयर बढ़त में रहे जबकि 1,505 शेयर गिरावट में फिसले। सेंसेक्स के 30 में से केवल 3 शेयर हरे निशान में टिक पाए, जबकि निफ्टी के 50 में से 45 शेयर लाल निशान में रहे। सेंसेक्स ने 12.37 अंकों की मामूली तेजी के साथ 85,150.64 पर शुरुआत की और शुरुआती खरीदारी के सहारे 85,269.68 तक पहुंच गया। हालांकि पांच मिनट बाद ही बिकवाली का दबाव बढ़ने लगा और सूचकांक लगातार नीचे आता गया। सुबह 10:15 बजे यह 282.10 अंक टूटकर 84,856.17 पर कारोबार कर रहा था।

25928.10 पर पहुंचा निफ्टी

निफ्टी ने 26,004.90 के स्तर से गिरावट के साथ शुरुआत की, हालांकि खरीदारी के सहारे थोड़े समय के लिए 26,066.45 तक पहुंचा। लेकिन बिकवाली बढ़ते ही निफ्टी फिर नीचे लौट आया और 10:15 बजे तक 104.10 अंक की गिरावट के साथ 25,928.10 पर आ गया।

पिछला सत्र भी दबाव में रहा

मंगलवार को सेंसेक्स 503.63 अंक टूटकर 85,138.27 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 143.55 अंक फिसलकर 26,032.20 पर बंद हुआ था। शुरुआती कारोबार के रुझान संकेत दे रहे हैं कि बाजार निवेशकों की सतर्कता के बीच दबाव में बना रह सकता है।

पान मसाला पैक पर खुदरा बिक्री मूल्य अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पान मसाला के पैकेजों पर खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) दूसरा (संशोधन) नियम, 2025 को अधिसूचित किया है। यह नया नियम 1 फरवरी, 2026 से देशभर में प्रभावी होगा।

RBI की मौद्रिक समीक्षा: रेपो रेट में कटौती की अटकलें तेज

▸▸ पांच दिसंबर को गर्वनर देंगे फैसलों की जानकारी

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की पांचवीं द्विमासिक बैठक सोमवार से प्रारंभ हो गई है। तीन दिनों तक चलने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में आर्थिक संकेतकों की समीक्षा के बाद लिए गए फैसलों की घोषणा 5 दिसंबर को सुबह 10 बजे आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा करेंगे। सूत्रों के अनुसार, समिति के सदस्य हालिया जीडीपी ग्रोथ, घटती महंगाई और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का आकलन करते हुए मौद्रिक नीति की अगली दिशा तय करेंगे। देश की अर्थव्यवस्था इस समय मजबूत प्रदर्शन कर रही है, जबकि खुदरा महंगाई में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए आरबीआई नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.25 प्रतिशत तक की कटौती कर सकता है।

दो बार से स्थिर है रेपो रेट

गौरतलब है कि आरबीआई पिछले दो मौद्रिक समीक्षाओं में रेपो रेट को स्थिर रख चुका है। वहीं चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में देश की जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि अक्टूबर में खुदरा महंगाई तेजी से घटकर 0.25 प्रतिशत पर आ गई। अर्थव्यवस्था के इन सकारात्मक संकेतों ने दरों में कटौती की संभावनाओं को और बल दिया है।

जिओ और एनएचएआई में करार

नेशनल हाईवे पर मोबाइल पर मिलेगा सेफ्टी अलर्ट

एजेंसी I नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा को सुरक्षित और आसान बनाने के लिए NHAI ने रिलायंस जियो के साथ एक महत्वपूर्ण MoU साइन किया है। इस साझेदारी के तहत 50 करोड़ से अधिक जियो यूजर्स को पूरे नेशनल हाईवे नेटवर्क पर टेलीकॉम आधारित सेफ्टी अलर्ट सिस्टम की सुविधा मिलेगी। इसका उद्देश्य सड़क हादसों को कम करना और ड्राइवरों को समय रहते जानकारी उपलब्ध कराना है।

तकनीक आधारित रोड सेफ्टी का नया मॉडल

NHAI चेयरमैन संतोष कुमार यादव ने कहा कि समय पर सटीक सूचना मिलने से ड्राइवर अधिक सतर्क रहेंगे और सुरक्षित ड्राइविंग अपना पाएंगे। वहीं जियो के प्रेसिडेंट ज्योतिंद्र ठक्कर के अनुसार यह पहल जियो के विशाल नेटवर्क के माध्यम से बड़े पैमाने पर सुरक्षा अलर्ट पहुंचाने में मदद करेगी। आने वाले समय में इस सिस्टम को 'राजमार्गयात्रा' ऐप और हेल्पलाइन 1033 से जोड़ा जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट कुछ क्षेत्रों में शुरू होगा और फिर इसे देशभर में विस्तारित किया जाएगा।

मोबाइल पर पहले से मिलने लगेगी महत्वपूर्ण चेतावनी

जियो के 4G–5G नेटवर्क के जरिए ड्राइवरों को दुर्घटना संभावित क्षेत्रों, कोहरे वाले हिस्सों, आवारा पशु जोन और इमरजेंसी डायवर्जन की जानकारी पहले से ही मोबाइल पर मिल जाएगी। सेफ्टी अलर्ट एसएमएस, व्हाट्सएप और हाई-प्रायोरिटी कॉल के जरिये भेजे जाएंगे। खास बात यह है कि यह सिस्टम पूरी तरह ऑटोमेटेड होगा और हाईवे के आसपास मौजूद टेलीकॉम टावरों के जरिए काम करेगा, जिससे किसी अतिरिक्त हार्डवेयर की जरूरत नहीं पड़ेगी।

तकनीकी खामी से इंडिगो की उड़ानें रद्द, रिफंड देने को तैयार कंपनी

माइक्रोसाफ्ट विंडोज में आई खामी की वजह से पनपी समस्या, नाराज हुए यात्री

एजेंसी I नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट विंडोज की वैश्विक तकनीकी खराबी का असर बुधवार को इंडिगो एयरलाइंस के संचालन पर भी साफ दिखा। सिस्टम प्रभावित होने के चलते कई उड़ानें समय से नहीं उड़ीं, जबकि कई को रद्द करना पड़ा। अचानक हुए इस बदलाव से दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, गोवा और लखनऊ सहित कई बड़े एयरपोर्टों

पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और यात्रियों में नाराज़गी देखने को मिली। इंडिगो की ओर से जारी बयान में कहा गया कि तकनीकी खामी के चलते ऑपरेशन्स बाधित हुए हैं, हालांकि टीमें स्थिति को सामान्य करने में तेजी से जुटी हैं। एयरलाइन ने प्रभावित यात्रियों को वैकल्पिक उड़ानें उपलब्ध कराने या पूरा रिफंड देने की पेशकश की है। साथ ही कंपनी ने असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए यात्रियों से आग्रह किया है कि एयरपोर्ट रवाना होने से पहले आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी उड़ान की ताज़ा स्थिति अवश्य जांच लें।

दो दिन में निरस्त हुईं 42 उड़ानें

तकनीकी दिक्कतों के चलते पिछले दो दिनों में इंडिगो को कुल 42 उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं, जिनमें 22 आगमन और 20 प्रस्थान की उड़ानें शामिल हैं। इस बड़े पैमाने पर रद्दीकरण का कारण 'ऑपरेशनल समस्याएं' बताया गया है। फ्लाइट शेड्यूल गड़बड़ाने से हजारों यात्रियों की यात्रा योजनाएँ प्रभावित हुईं और कई ने सोशल मीडिया के माध्यम से एयरलाइन पर नाराज़गी जताई है। एयरलाइन ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही सभी सेवाएँ सामान्य संचालन में लौट आएंगी।

साउथ अफ्रीका टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान

शुभमन गिल और हार्दिक की वापसी

रायपुर। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए BCCI ने भारतीय टीम का ऐलान कर दिया। जसप्रीत बुमराह को वनडे से आराम देकर टी-20 में शामिल किया गया। हार्दिक पंड्या और शुभमन गिल की भी टीम में वापसी हुई। टी-20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी। BCCI ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी। बुधवार को ही रायपुर में बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए जर्सी भी लॉन्च की। टी-20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। उपकप्तान शुभमन गिल करीब दो हफ्ते बाद वापसी करेंगे। हालांकि, फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही वे मैच खेल पाएंगे। कोलकाता टेस्ट में उन्हें चोट लगी थी। हार्दिक पंड्या भी 73 दिन बाद टीम में लौट रहे हैं। वे एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

रिंकू और रेड्डी को मौका नहीं

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज का हिस्सा रहे रिंकू सिंह और नीतीश कुमार रेड्डी को स्क्वॉड में मौका नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रिंकू को एक ही मुकाबला खिलाया गया, लेकिन उनकी बैटिंग नहीं आ सकी। वे फिलहाल मुश्ताक अली टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश के लिए टी-20 खेल रहे हैं।

रायपुर में वर्ल्ड कप की जर्सी भी लॉन्च

BCCI ने 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की नई जर्सी भी लॉन्च कर दी। रायपुर में BCCI सेक्रेटरी देवजीत सैकिया की मौजूदगी में जर्सी लॉन्च हुई। इस दौरान टी-20 टीम के तिलक वर्मा और टूर्नामेंट के ब्रांड एम्बेसडर रोहित शर्मा भी मौजूद रहे।

हार्दिक पंड्या ने मुश्ताक अली में फिफ्टी लगाई

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या एशिया कप में चोटिल हो गए थे। सुपर-4 स्टेज के मैच में लगी चोट की वजह से वे 28 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल नहीं खेल सके। इसके बावजूद टीम इंडिया ने 5 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। हार्दिक ने अब घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में फिफ्टी लगाकर वापसी की। उन्होंने बड़ौदा से खेलते हुए 77 रन बनाने के साथ 1 विकेट भी लिया था।

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंजर्ड हो गए थे। पहली पारी में बैटिंग के दौरान स्वीप शॉट खेलने के बाद उन्हें गर्दन में खिंचाव महसूस हुआ। जिसके बाद वे रिटायर्ड हर्ट हो गए।

9 दिसंबर से शुरू होगी सीरीज

रायपुर में साउथ अफ्रीका और भारत के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। 6 दिसंबर को तीसरा वनडे खेला जाएगा। फिर 9 दिसंबर से 5 टी-20 की सीरीज शुरू हो जाएगी। 5 मुकाबले 9, 11, 14, 17 और 19 दिसंबर को खेले जाएंगे। जिसके वेन्यू कटक, मुल्लांपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद हैं।

एशेज : दूसरा टेस्ट

इंग्लैंड के सामने गाबा में 39 साल का सूखा खत्म करने की चुनौती

- 362 टेस्ट दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए
- 153 ऑस्ट्रेलिया ने, 112 इंग्लैंड ने जीते, 97 ड्रॉ
- 14 दिन-रात टेस्ट में से 13 ऑस्ट्रेलिया ने जीते, एक हारा

एजेंसी । ब्रिस्बेन

पर्थ में पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में धमाकेदार जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे एशेज टेस्ट (दिन-रात्रि) में विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। इंग्लैंड ने 1986 के बाद से गाबा में कोई एशेज टेस्ट नहीं जीता है। अब उसके सामने 39 साल का सूखा खत्म करने की चुनौती होगी।

डेढ़ दशक में पहली जीत की तलाश

इंग्लैंड 2010-11 सीरीज के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपनी पहली जीत हासिल करने की तलाश में भी है। ऑस्ट्रेलिया का दिन-रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा है लेकिन वह इस बात को भूल नहीं सकता कि वह पिछले साल जनवरी में गाबा में वेस्टइंडीज से आठ रन से हार गया था। गाबा ऐसा मैदान है जहां ऑस्ट्रेलिया की टीम दशकों से लगभग अपराजेय रही है। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में कमान संभालने वाले स्टीव स्मिथ इस मैच में आंखों के नीचे काली पट्टी (स्ट्रिप) लगाएंगे ताकि दूधिया रोशनी में अच्छी तरह से बल्लेबाजी कर सकें। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपाल भी अक्सर आंखों के नीचे काली पट्टी लगाकर खेला करते थे ताकि बदलती रोशनी में गुलाबी गेंद से अच्छी तरह से सामना कर सकें। स्मिथ को आक्रामक शैली बरकरार रखने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ऑस्ट्रेलियाई शैली का खेल खेलना जारी रखेगी।

अंतिम एकादश की घोषणा नहीं

ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम एकादश की घोषणा नहीं की है। माना जा रहा है कि इस टेस्ट के लिए टीम में नहीं चुने जाने के बावजूद कमिंस कप्तान के रूप में अंतिम एकादश में वापसी कर सकते हैं। कमिंस पीठ की चोट के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेले थे लेकिन वह बुधवार को कार्यवाहक कप्तान स्मिथ और कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड के साथ पिच देखने आए। दूसरी तरफ स्टोक्स ने कहा कि पहले टेस्ट मैच में अनुकूल परिणाम हासिल नहीं करने के बावजूद उनकी टीम आक्रामक अंदाज में खेलने की अपनी रणनीति पर कायम रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण एशियाई चैंपियन संजना कोच संदीप डोपिंग में फंसे

नई दिल्ली। दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स सीनियर चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतकर चर्चा में आई 18 वर्षीय भारतीय एथलीट संजना सिंह डोपिंग उल्लंघन के कारण मुश्किल में पड़ गई हैं। राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने प्रतिबंधित पदार्थ पाए जाने पर न केवल संजना, बल्कि उनके कोच संदीप मान को भी अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है—जो कि खेल जगत में बेहद कम देखा जाने वाला मामला है। रांची में अक्टूबर में आयोजित प्रतियोगिता में 1500 मीटर और 5000 मीटर में स्वर्ण जीतने वाली संजना के सैंपल की जांच में मिथैंडीनोन और ऑक्सांड्रोलोन जैसे प्रतिबंधित स्टेरॉयड पाए गए। नाडा की ताज़ा सूची में उनका नाम दर्ज किया गया है। 23 दिसंबर को 19 वर्ष की होने वाली संजना का करियर इस जांच के परिणाम पर काफी प्रभावित हो सकता है।

नाडा ने एथलेटिक्स कोच संदीप पर "प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी या तस्करी के प्रयास" का आरोप लगाते हुए उन्हें भी अस्थायी निलंबन जारी किया है। माना जा रहा है कि यही कोच संदीप मान हैं, जिनके प्रशिक्षण में संजना हरियाणा के रोहतक में अभ्यास करती थीं। कोच पर कार्रवाई यह संकेत देती है कि जांच एजेंसी इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है।

लगातार बढ़ रहे डोपिंग मामलों ने भारतीय एथलेटिक्स में चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि कोचों और एथलीटों दोनों के खिलाफ की जा रही संयुक्त कार्रवाई एक नए कठोर रुख का संकेत देती है, जिससे खेल में पारदर्शिता और निष्पक्षता को बढ़ावा मिल सकता है। इस दौरान कई अन्य एथलीटों की जांच हुई, जिसमें हिमांशु राठीः मध्य दूरी धावक को मेफ़ेंटर्मिन नामक प्रतिबंधित उत्तेजक पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर निलंबित किया गया।

दिग्गज बल्लेबाज़ रॉबिन स्मिथ का 62 वर्ष की आयु में निधन

पर्थ। इंग्लैंड क्रिकेट के पूर्व स्टार बल्लेबाज़ रॉबिन स्मिथ का पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ स्थित उनके आवास पर अचानक निधन हो गया। 62 वर्षीय स्मिथ अपनी घुँघराली हेयर स्टाइल और दमदार बल्लेबाज़ी के कारण "द जज" नाम से दुनिया भर में मशहूर थे।

स्मिथ ने 1988 से 1996 के दौरान इंग्लैंड के लिए 62 टेस्ट खेले और 43.67 की बेहतरीन औसत से 4,236 रन जुटाए। नौ टेस्ट शतकों से सजे उनके करियर में स्क्वेयर कट उनका सबसे पहचान वाला शॉट रहा। वनडे क्रिकेट में भी उन्होंने 71 मैच खेले और 1992 वर्ल्ड कप फाइनल तक पहुंचने वाली इंग्लैंड टीम का अहम हिस्सा रहे। 1993 में एजबेस्टन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई उनकी 167* रन की पारी एकदिवसीय क्रिकेट में इंग्लैंड का रिकॉर्ड लंबे समय तक कायम रही। परिवार की ओर से ईसीबी के माध्यम से जारी बयान में कहा गया कि रॉबिन स्मिथ 1 दिसंबर को अपने साउथ पर्थ स्थित अपार्टमेंट में अचानक चल बसे।

प्रीमियर लीग 2025-26: हॉलैंड का शतक, फुलहम को 5-4 से हराया

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी के स्टार फॉरवर्ड एर्लिंग हॉलैंड ने प्रीमियर लीग इतिहास में सबसे तेज़ 100 गोल पूरे कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। हॉलैंड की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ सिटी ने फुलहम के जोरदार मुकाबले को पछाड़ते हुए शानदार अंदाज़ में 5-4 से जीत दर्ज की। सिटी की जीत में फिल फोडेन ने दो गोल कर चमक बिखेरी। तिज्जानी रीजेंडर्स ने एक गोल किया, जबकि सैंडर बर्ज का आत्मघाती गोल सिटी के पक्ष में गया। इस जीत के बाद सिटी 28 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर कायम है। आर्सेनल 30 अंकों के साथ शीर्ष पर है और बुधवार को ब्रेंटफोर्ड से भिड़ेगी।

चरम पर मैच का रोमांच

क्रेवन कॉटेज में सिटी ने 5-1 की मजबूत बढ़त बना ली थी, लेकिन फुलहम ने दूसरे हाफ़ में ज़बरदस्त वापसी करते हुए मुकाबले में नई जान फूंक दी। टीम के लिए सैमुएल चुकवुएज़े ने दो और अलेक्स इवोबी ने एक गोल दागा। इंजरी टाइम में जोस्को ग्वार्डिओल की गोल-लाइन सेव ने सिटी को हार से बचाया और अंतिम क्षणों तक दर्शकों को सांसें थामने पर मजबूर कर दिया।

बॉलीवुड

नूपुर सेनन बनेंगी दुल्हन

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन जहां अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' की सफलता का जश्न मना रही हैं, वहीं उनके परिवार में भी जश्न का माहौल बनने वाला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कृति की छोटी बहन नुपुर सैनन जल्द शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। धनुष के साथ रिलीज हुई कृति की फिल्म की चर्चा के बीच अब नुपुर की शादी की खबरों ने फैन्स का उत्साह और बढ़ा दिया है। अक्षय कुमार के साथ सुपरहिट म्यूजिक वीडियो 'फिलहाल' से पहचान बनाने वाली नुपुर सैनन ने अपनी शादी के लिए राजस्थान के उदयपुर को चुना है। रिपोर्ट के अनुसार, शादी की रस्में 8 और 9 जनवरी को आलीशान फेयरमोंट उदयपुर पैलेस में होंगी, जो पहले भी कई हाई-प्रोफाइल शादियों की मेजबानी कर चुका है। नुपुर जिसके साथ सात फेरे लेने जा रही हैं, उनका नाम स्टेबिन बेन है, जो एक लोकप्रिय गायक हैं और 'साहिबा', 'रूला के गया इश्क' और 'थोड़ा थोड़ा प्यार' जैसे हिट गाने दे चुके हैं।

हालांकि, नुपुर और स्टेबिन बेन ने सार्वजनिक रूप से कभी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की, लेकिन स्टेबिन कई मौकों पर सैनन परिवार के साथ नजर आए हैं, चाहे पार्टियां हों, पारिवारिक समारोह या वेकेशन ट्रिप। दोनों ने हमेशा खुद को करीबी दोस्त बताया, मगर उनकी कथित शादी की खबरों ने फैन्स को बेहद उत्साहित कर दिया है। नुपुर सैनन कई म्यूजिक वीडियोज़ का हिस्सा रह चुकी हैं और अब जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने की तैयारी में हैं। शादी और करियर दोनों मोर्चों पर नुपुर के लिए आने वाला समय खास होने वाला है।

आमिर खान ने 'हैप्पी पटेल' का किया ऐलान

'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत बनने वाली अगली फिल्म 'हैप्पी पटेल' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह फिल्म जासूसी, कॉमेडी और हल्के-फुल्के रोमांच से भरपूर होने वाली है। खास बात यह है कि आमिर ने इस प्रोजेक्ट की कमान प्रतिभाशाली स्टैंड-अप कॉमेडियन वीर दास को सौंप दी है, जो इस फिल्म में न सिर्फ मुख्य भूमिका निभाएंगे, बल्कि निर्देशन की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। उनके साथ निर्देशक के रूप में कवि शास्त्री भी जुड़े हैं, जिससे फिल्म की क्रिएटिव टीम और भी मजबूत हो गई है। आमिर खान ने फिल्म की घोषणा एक अनोखे और बेहद मनोरंजक वीडियो के जरिए की। वीडियो में आमिर, वीर दास से फिल्म के रोमांस, एक्शन और आइटम नंबर को लेकर नाराज़ होते दिखते हैं। उन्हें इस बात का डर होता है कि लोग इन सीन्स पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। वह वीर को मज़ाकिया अंदाज़ में जमकर डांटते हैं। लेकिन जैसे ही प्रतिक्रिया आना शुरू होती है और दर्शक फिल्म को जबरदस्त बताते हैं, आमिर का गुस्सा पल भर में खुशी में बदल जाता है। वीडियो ने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा और फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी।

2026 में रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'हैप्पी पटेल' में वीर दास के साथ प्रतिभाशाली अभिनेत्री मोना सिंह अहम किरदार में नजर आएंगी। इसके अलावा लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले इमरान खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, जिससे यह प्रोजेक्ट और भी खास बन गया है। जासूसी कॉमेडी के इस नए तड़के के साथ, 'हैप्पी पटेल' आमिर खान प्रोडक्शंस की एक ताज़ा और मनोरंजक पेशकश बनने जा रही है, जिसे लेकर दर्शकों में पहले से ही जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

लक्ष्य लालवानी बने करण जौहर की नई पसंद

फिल्ममेकर करण जौहर की फिल्म 'किल' से बॉलीवुड में कदम रखने वाले अभिनेता लक्ष्य लालवानी इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। पहले आर्यन खान की वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' ने उन्हें रातों-रात पहचान दिलाई और अब खबर है कि करण जौहर ने लक्ष्य पर एक और बड़े प्रोजेक्ट का भरोसा जताया है। फिलहाल लक्ष्य धर्मा प्रोडक्शंस की रोमांटिक ड्रामा 'चांद मेरा दिल' की शूटिंग में जुटे हैं, जिसमें उनके साथ अनन्या पांडे नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लक्ष्य ने धर्मा प्रोडक्शंस की एक और फिल्म साइन कर ली है। इस फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ और जाह्नवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे। चर्चा है कि फिल्म का संभावित शीर्षक 'लग जा गले' रखा गया है और फिल्म का प्री-प्रोडक्शन पूरा हो चुका है। राज मेहता निर्देशन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सप्ताह के अंत तक मुंबई में 20 दिनों का पहला शूटिंग शेड्यूल शुरू हो जाएगा। 'लग जा गले' एक्शन और भावनाओं का बेहतरीन मिश्रण होगी। फिल्म में जाह्नवी कपूर लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी।

अस्थि विसर्जन के वक्त सनी देओल का फूटा गुस्सा

बॉलीवुड के महान अभिनेता धर्मेंद्र की अस्थियां हरिद्वार स्थित हरकी पौड़ी पर पूरे परिवार की मौजूदगी में विसर्जित कर दी गईं। परिवार ने इस अनुष्ठान को बेहद गोपनीय रखना चाहा, लेकिन इसी दौरान हुई एक घटना ने सबका ध्यान खींच लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, धर्मेंद्र के पोते करण देओल ने सुबह करीब 9:30 बजे अपने दादा की अस्थिया गंगा में प्रवाहित कीं। विसर्जन के दौरान करण अपने जज़्बातों पर काबू नहीं रख पाए और दादा को याद करते हुए जोर-जोर से रो पड़े।

एमपी में जल्द शुरू होगा मेगा फिल्म फेस्टिवल

मध्य प्रदेश सरकार अपनी संशोधित मध्य प्रदेश फिल्म टूरिज़्म नीति 2020 (संशोधित 2025) के साथ बड़े स्तर पर फिल्म निर्माण और मनोरंजन उद्योग को आकर्षित करने की तैयारी कर रही है। अतिरिक्त मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला और मध्य प्रदेश फिल्म सेल की वरिष्ठ सलाहकार वाणी त्रिपाठी टिक्कू की ओर से आयोजित एक राउंडटेबल बैठक में भारतीय सिनेमा से जुड़े दिग्गजों ने इस नई नीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में एममे एंटरटेनमेंट की मोनिषा आडवाणी और मधु भोजवानी, क्रिएटिवलैंड एशिया के चेयरमैन सी. सज्जन राज कुरुप, क्रिएटिवलैंड स्टूडियोज़ की सीईओ शोभा संत सहित फिल्मकार अभिषेक चौबे, लीना यादव, सुधीर मिश्रा, सेजल शाह और भारत बाला शामिल हुए। उद्योग जगत के अग्रणी नाम तनुज गर्ग, विजय कोशी, शिबाशीष सरकार, सोमन मिश्रा और अफ़सर जैदी ने भी नीति पर अपने सुझाव और

समर्थन दिए। नई संशोधित नीति को प्रतिभागियों से जोरदार सराहना मिली, खासकर लघु फिल्मों को प्रोत्साहन, स्थानीय प्रतिभाओं को सशक्त बनाने और राज्य में सिनेमाई ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों के लिए। नीति के तहत थिएटरों के निर्माण और उन्नयन पर मिलने वाले प्रोत्साहन उद्योग के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय फिल्मों को राज्य में लाने के लिए दी जाने वाली सब्सिडी को बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिससे मध्य प्रदेश वैश्विक फिल्म निर्माण के लिए एक उभरता हुआ केंद्र बन रहा है।

नक्सलवाद पर बड़ा ऑपरेशन

एनकाउंटर में 12 नक्सली ढेर, 3 जवान शहीद

एजेंसी । बीजापुर

बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए हैं। बस्तर के IG पी. सुंदरराज ने बताया कि CRPF और CoBRA टीमों का संयुक्त ऑपरेशन बीजापुर-दंतेवाड़ा सीमा पर वेस्ट बस्तर डिवीजन एरिया में हुआ। नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में 3 जवान शहीद हो गए जबकि 1 अन्य घायल हो गया। सुरक्षा बलों की एक जॉइंट टीम नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन पर निकली थी। जंगल में सुबह के वक्त नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। फिर सुरक्षा बल के जवानों ने भी मोर्चा संभाल लिया।

खुफिया इनपुट पर ऐक्शन

एक अधिकारी ने बताया कि बीजापुर जिले में पश्चिम बस्तर डिवीजन के जंगल में नक्सलियों की गतिविधियां देखे जाने की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद सुरक्षा बलों की ज्वाइंट टीम को मौके पर रवाना किया गया था। जैसे ही सुरक्षा बलों की टीम घने जंगल में पहुंची। नक्सलियों की ओर से भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। सुरक्षा बलों ने भी फौरन मोर्चा संभाल लिया।

भीषण गोलीबारी, 12 नक्सली ढेर

अधिकारी ने आगे बताया कि दोनों तरफ से भीषण गोलीबारी होने लगी। इस मुठभेड़ में अब तक 12 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि सुरक्षा बलों के 3 जवान भी शहीद हुए हैं। ऑपरेशन में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड यानी डीआरजी और स्पेशल टास्क फोर्स (राज्य पुलिस की दोनों यूनिटें) और CoBRA (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन- CRPF की एलीट यूनिट) के जवान शामिल रहे।

इस साल 275 नक्सली ढेर

सर्च ऑपरेशन जारी है। अतिरिक्त टीमें भेजी गई हैं। इस साल अब तक छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ में 275 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 239 बस्तर डिवीजन में ही मारे गए हैं। बस्तर डिवीजन में बीजापुर और दंतेवाड़ा समेत 7 जिले आते हैं। 27 नक्सली गरियाबंद जिले में मारे गए हैं यह रायपुर डिवीजन में आता है। दुर्ग डिवीजन के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में इस साल 2 नक्सली मारे जा चुके हैं।

डीआरजी के 2 जवान घायल

अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में डीआरजी के 2 जवान घायल भी हुएं हैं जिसको इलाज के लिए ले जाया गया है। मुठभेड़ वाली जगह से कुल 12 नक्सलियों की लाशें बरामद की गई हैं। मौके से SLR, INSAS और 303 राइफलें बरामद की गई हैं। शहीदों में सभी DRG बीजापुर के जवान हैं। वीरगति पाने वालों में प्रधान आरक्षक मोनू वडाड़ी, आरक्षक दुकारू गोंडे, जवान रमेश सोड़ी शामिल हैं।

उनका बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए गहरी संवेदनाएँ व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि ये जवान बस्तर में शांति और सुरक्षा की लड़ाई के सच्चे अग्रदूत थे, और उनका बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने शोक-संतप्त परिवारों के लिए संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर उन्हें यह असहनीय दुख सहने की शक्ति प्रदान करे तथा वीर जवानों को अपने श्रीचरणों में स्थान दे। दूसरी ओर, मुठभेड़ में घायल दो अन्य जवानों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। उनके उपचार के लिए समुचित चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने दोनों घायल जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, यह मुठभेड़ इस बात का संकेत है कि क्षेत्र में नक्सलियों का दबदबा लगातार कमजोर हो रहा है।

अतिरिक्त टुकड़ियां भेजी गईं

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टुकड़ियों को मौके पर रवाना कर दिया गया है। पुलिस और अन्य बलों ने सीमावर्ती क्षेत्रों पर सख्ती बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त तेज कर दी गई है। संदिग्धों से पूछताछ का दौर जारी है। किसी भी हालात से निपटने के लिए टीमें पूरी तरह से तैयार हैं। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि मुठभेड़ स्थल के आसपास से बड़ी संख्या में हथियार बरामद किए गए हैं।

श्रीलंका के बाद अब सुमात्रा में तबाही का मंजर, 712 की मौत

सुमात्रा में चक्रवाती तूफान की तबाही से बाढ़ और भूस्खलन, सैकड़ों अब भी लापता

एजेंसी । जकार्ता

श्रीलंका में चक्रवात दित्वा के कहर अभी लोग उबर भी नहीं पाए हैं कि दूसरी तरफ इंडोनेशिया का सुमात्रा द्वीप चक्रवाती तूफान से आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन की चपेट में आ गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस आपदा में अब तक 712 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 402 से अधिक लोग अभी लापता हैं। उत्तरी सुमात्रा, पश्चिमी सुमात्रा और आचे प्रांत को इसका सबसे भीषण प्रभाव झेलना पड़ा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, दो दुर्लभ उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के संयुक्त प्रभाव से क्षेत्र में अभूतपूर्व वर्षा हुई, जिसके कारण अचानक बाढ़ और व्यापक भूस्खलन शुरू हो गया।

बचाव कार्यों में बाधाएं, कई क्षेत्र अब भी दुनिया से कटे

द जकार्ता पोस्ट की रिपोर्ट में बताया गया कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी की अगुवाई में सेना, पुलिस और बड़ी संख्या में स्वयंसेवी संगठन राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे हैं। लेकिन कई इलाकों में सड़कें और पुल बह जाने के कारण राहतकर्मियों को प्रभावित गांवों तक पहुंचने में गंभीर कठिनाइयाँ आ रही हैं। हजारों परिवारों के मकान बह चुके हैं और लाखों लोग भोजन व साफ पानी की तलाश में भटक रहे हैं। यह हाल के वर्षों में इंडोनेशिया को झेलनी पड़ी सबसे भीषण प्राकृतिक आपदाओं में से एक मानी जा रही है।

स्थानीय प्रशासन बेबस, केंद्र से तत्काल मदद की मांग

प्रभावित प्रांतों के प्रतिनिधियों ने साफ कहा है कि हालात इतने विकट हैं कि वे अकेले इस संकट से निपटने में सक्षम नहीं हैं। आचे प्रांत के गवर्नर मुजाकिर मनाफ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हालात का वर्णन करते हुए भावुक होकर रो भी पड़े। उन्होंने बताया कि कई गांव अब भी सात दिनों से देश-दुनिया से कटे हुए हैं और वहाँ फंसे लोगों तक कोई सहायता नहीं पहुंच पाई है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की सरकार ने भी माना है कि इस प्राकृतिक आपदा से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है और आपात राहत प्रयासों को और तेज करने की जरूरत है।

न्यूज़ ब्रीफ

तमिलनाडु-पुडुचेरी के नजदीक पहुंचा तूफान 'दित्वा'

नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान दित्वा की वजह से पुडुचेरी में भारी बारिश की चेतावनी के कारण आज सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल और प्राइवेट स्कूल बंद रहेंगे। दित्वा के प्रभाव से तमिलनाडु के लगभग समुद्रीय तटीय इलाकों में भारी बरसात हुई है। इससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों कहना है कि हालांकि दित्वा कमजोर पड़ गया, बावजूद इसके असर से तमिलनाडु में भी आज भारी बारिश की संभावना है। गहरे दबाव में क्षेत्र में बदला दित्वा पश्चिम-मध्य और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आसपास और उत्तर तमिलनाडु और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों की ओर तीन किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से बढ़ा है। यह तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों से अधिकतम 25 किलोमीटर दूर है। संभावना है कि यह धीरे-धीरे उत्तर तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों की ओर बढ़ेगा।

केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को लोकसभा में 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। यह विधेयक सेंट्रल एक्साइज एक्ट, 1944 में संशोधन करने के उद्देश्य से लाया गया है। विधेयक के अनुसार, भारत में निर्मित या आयातित सामान पर लगाए जाने वाले केंद्रीय उत्पाद शुल्क (Excise Duty) के नियमों में बदलाव किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य तंबाकू और तंबाकू उत्पादों पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क की दर को बनाए रखना है। विशेष रूप से यह विधेयक बिना तैयार तंबाकू, तैयार तंबाकू, तंबाकू उत्पाद और तंबाकू के विकल्पों पर शुल्क बढ़ाने की व्यवस्था करता है। इससे सरकार सुनिश्चित करेगी कि तंबाकू उत्पादों पर वर्तमान टैक्स स्तर बनाए रहें और राजस्व में कमी न आए। विधेयक सोमवार को संसद में पेश किया गया था और वर्तमान में लोकसभा में इस पर विचार-विमर्श चल रहा है।

अमेरिका से कहीं और चले जाएं सोमालियाई : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक के दौरान सोमाली मूल के प्रवासियों को लेकर कड़ा और विवादित बयान दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि वह अमेरिका में सोमालियाई प्रवासियों की मौजूदगी नहीं चाहते और उन्हें "कहीं और जाने" की सलाह दी। उनकी यह टिप्पणी व्हाइट हाउस द्वारा पूरे समुदाय के प्रति कठोर रुख के संकेत के तौर पर देखी जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (ICE) एजेंसी मिनेसोटा में रहने वाले सोमाली प्रवासियों को देश से बाहर भेजने की तैयारी कर रही है। करीब दो घंटे चली कैबिनेट बैठक में ट्रंप ने इस अभियान से जुड़े शीर्ष अधिकारियों के साथ रणनीति पर चर्चा भी की। युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने बताया कि अभियान का स्वरूप और योजना अंतिम चरण में है।

ताले का कपड़ा बदलेगा या नहीं, 15 को आएगा फैसला

ज्ञानवापी के सील वजूखाने पर लगाए गए ताले पर लगा है कपड़ा

एजेंसी । वाराणसी

वाराणसी में श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी प्रकरण के तहत सील वजूखाने के ताले पर लगे पुराने और जर्जर कपड़े बदलने की अर्जी पर जिला जज संजीव शुक्ला की अदालत ने बुधवार को सुनवाई की। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट में चल रही "पूजा स्थल उपबंध विधेयक 1991" की सुनवाई का हवाला देते हुए इस मामले में आदेश की अगली तारीख 15 दिसंबर 2025 निर्धारित की है। वादी पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने गत वर्ष 12 दिसंबर को निर्देश दिया था कि पूजा स्थल उपबंध विधेयक 1991 से जुड़े मामलों में निचली अदालतों में कोई नया आदेश नहीं दिया जाएगा, जिससे शीर्ष अदालत की सुनवाई प्रभावित हो। शासकीय अधिवक्ता राजेश मिश्रा ने बताया कि राज्य की ओर से ताले में लगे पुराने कपड़े बदलने की अर्जी को नॉटप्रेस (अस्थायी स्थगन) किया जाए।

प्रतिवादी पक्ष ने जताई थी आपत्ति

गौरतलब है कि पिछली सुनवाई में अदालत ने ताले में लगे जर्जर कपड़े ही बदलने की अनुमति देने पर विचार किया था। प्रतिवादी पक्ष, अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी, ने इस पर आपत्ति दर्ज कराई थी। अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कार्रवाई को सुप्रीम कोर्ट और जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने जिलाधिकारी वाराणसी को नियंत्रक नियुक्त किया है, और किसी भी बदलाव या सुधार में अदालत और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

पुतिन-ट्रंप के दूतों की पांच घंटे की बैठक निष्फल

यूक्रेन शांति योजना पर अमेरिका-रूस की बातचीत बेनतीजा

एजेंसी । मास्को

यूक्रेन युद्ध को रोकने के उद्देश्य से लेकर आए अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति प्रस्ताव पर रूस और अमेरिका के बीच हुई बातचीत बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई। ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर मास्को में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद स्वदेश लौट रहे हैं। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच करीब पांच घंटे चली बैठक में युद्धविराम पर किसी भी प्रकार की सहमति नहीं बन सकी।

रूस का बयान-"अभी बहुत काम बाकी है"

अमेरिकी सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, वार्ता समाप्त होने के बाद पुतिन के वरिष्ठ सलाहकार यूरी उशाकोव ने बातचीत को "उपयोगी, लेकिन अधूरी" बताया। उन्होंने कहा कि ट्रंप की ओर से पेश शांति प्रस्ताव पर आगे व्यापक चर्चा की आवश्यकता है। उशाकोव ने स्पष्ट किया, "यूक्रेन संकट के समाधान के हम करीब नहीं पहुंचे हैं। अभी बहुत काम किया जाना बाकी है।" उन्होंने बताया कि अमेरिकी दूतों ने रूस को ट्रंप की 28 सूत्री शांति योजना के अतिरिक्त चार और दस्तावेज सौंपे हैं, जिनकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। दोनों पक्ष इन दस्तावेजों और वार्ता की बारीकियों को गोपनीय रखने पर सहमत हुए हैं।

पुतिन-ट्रंप संवाद की भी कोई योजना नहीं

रूसी सलाहकार के अनुसार, बैठक में यूक्रेन से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय विवादों पर चर्चा नहीं हो सकी, जबकि यही विषय इस संघर्ष के समाधान की कुंजी माने जाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल पुतिन और ट्रंप के बीच किसी सीधी वार्ता की कोई योजना नहीं है। हालाँकि, पुतिन ने विटकॉफ और कुशनर के माध्यम से ट्रंप को कुछ "महत्वपूर्ण संदेश" भेजे हैं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल अब वाशिंगटन लौटकर ट्रंप के साथ इस वार्ता पर चर्चा करेगा, जिसके बाद वे आगे की प्रतिक्रिया मास्को को देंगे।

मोबाइल और ब्रॉडबैंड उपयोग में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी

लोकसभा में पेम्मासानी चंद्रशेखर ने एक सवाल पर दिया जवाब

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में डिजिटल और मोबाइल कनेक्टिविटी में पिछले कुछ वर्षों में तेज वृद्धि हुई है। सरकार ने दूरसंचार क्षेत्र में बैंक गारंटी, स्पेक्ट्रम शुल्क और टेलीकॉम लाइसेंस जैसी प्रक्रियाओं को आसान बनाया, टेलीकॉम टावरों की मंजूरी प्रक्रिया सरल की और विदेशी निवेश के लिए अधिक सुविधा प्रदान की। संचार एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने लोकसभा में लिखित उत्तर में बताया कि इन सुधारों से ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क और बेस ट्रांसिवर स्टेशनों का विस्तार हुआ, ब्रॉडबैंड और मोबाइल सेवाओं का दायरा बढ़ा, और डेटा खपत में भी तेजी आई। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में डिजिटल पहुंच बढ़ाने के लिए डिजिटल भारत निधि के तहत 4जी सैचुरेशन प्रोजेक्ट और संशोधित भारतनेट कार्यक्रम लागू किए गए हैं। मार्च 2018 में देश में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क की लंबाई 17.5 लाख किलोमीटर थी, जो अब सितंबर 2025 तक बढ़कर 42.36 लाख किलोमीटर हो गई है।

भारतीय रेल : अब मिलेगा OTP आधारित तत्काल टिकट

तत्काल टिकट की बिक्री में आएगी पारदर्शिता, खत्म होगा ब्लैक करने का खेल

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकटों की पारदर्शी और सुरक्षित बुकिंग सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। जल्द ही देशभर के सभी आरक्षण काउंटरों पर तत्काल टिकट जारी करने की प्रक्रिया ओटीपी आधारित कर दी जाएगी। यह व्यवस्था अगले कुछ दिनों में लागू कर दी जाएगी। रेल मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, नई प्रणाली का उद्देश्य तत्काल कोटे में हो रहे दुरुपयोग पर रोक लगाना और असली यात्रियों को टिकट प्राप्त करने में अधिक सुविधा देना है। इससे ब्लैक-मार्केटिंग और फर्जी बुकिंग की संभावनाएँ काफी हद तक कम होंगी। रेलवे ने इससे पहले जुलाई 2025 में ऑनलाइन तत्काल टिकटों के लिए आधार प्रमाणीकरण शुरू किया था, जबकि अक्टूबर 2025 में सामान्य आरक्षण के पहले दिन की बुकिंग पर ओटीपी वेरिफिकेशन व्यवस्था लागू की गई। इन दोनों बदलावों को यात्रियों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और इससे टिकटिंग प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी हुई।

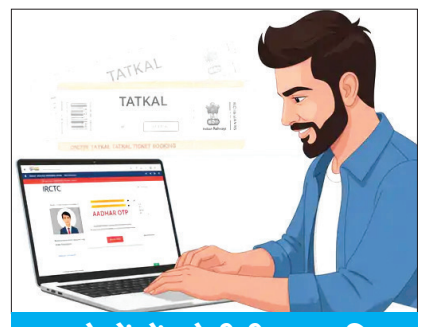

52 ट्रेनों में ओटीपी आधारित रिजर्वेशन चालू

इसी क्रम में, 17 नवंबर 2025 से रेलवे ने कुछ चुनिंदा आरक्षण काउंटरों पर तत्काल टिकटों के लिए ओटीपी आधारित प्रणाली का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था। अभी तक यह सुविधा 52 ट्रेनों में लागू की जा चुकी है। इस प्रक्रिया में यात्री द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाता है और सत्यापन के बाद ही तत्काल टिकट जारी होता है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही यह प्रणाली सभी ट्रेनों और सभी आरक्षण केंद्रों पर लागू होगी।

देशभर के एयरपोर्ट्स पर चेक-इन प्रक्रिया प्रभावित, दर्जनों उड़ानें लेट

एजेंसी । नई दिल्ली

बुधवार सुबह देश के कई प्रमुख हवाई अड्डों पर अचानक आई तकनीकी खराबी के चलते चेक-इन प्रणाली ठप हो गई। इसके कारण इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस की कई उड़ानों में देरी दर्ज की गई। सूत्रों के मुताबिक, यह व्यवधान माइक्रोसॉफ्ट विंडोज की वैश्विक सेवा में उत्पन्न हुई समस्या के चलते हुआ, जिसके बाद एयरपोर्ट पर प्रयोग होने वाला आईटी सिस्टम

एक साथ प्रभावित हो गया। चेक-इन काउंटरों के काम न करने पर एयरलाइंस को तुरंत 'मैन्युअल चेक-इन' प्रक्रिया शुरू करनी पड़ी, जिससे यात्रियों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ा।

चारों एयरलाइन की सेवाएं बाधित

तकनीकी गड़बड़ी ने न सिर्फ चेक-इन बल्कि बोर्डिंग की गति को भी धीमा कर दिया। चारों एयरलाइनों की कई सेवाएं इसकी वजह से बाधित रहीं। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने कहा कि तकनीकी टीमें सभी संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर समस्या को दुरुस्त करने में जुटी हैं ताकि यात्रियों को न्यूनतम असुविधा हो। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट और प्रभावित एयरलाइनों की ओर से इस मसले पर अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी जारी नहीं की गई है।

नये श्रम कानूनों पर केंद्र सरकार को नोटिस, एक सप्ताह में मांगा जवाब

एक याचिका की सुनवाई पर दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया निर्देश

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए चार नए श्रम कानूनों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र से एक हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 10 जनवरी 2026 को होगी।

2020 में पारित हुए थे नये कानून

गरिया ने अदालत को बताया कि नए कानून 2020 में संसद में पारित किए गए थे, लेकिन पिछले पांच सालों में सरकार नियम और अवसंरचना तैयार नहीं कर सकी। इसके बावजूद केंद्र ने प्रचार-प्रसार के साथ हड़बड़ी में कानून लागू कर दिया। याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया कि इन कानूनों पर अस्थायी रोक लगाई जाए, क्योंकि यह श्रमिक विरोधी हैं और स्थायी रोजगार के अवसरों को प्रभावित कर सकते हैं।

प्राकृतिक खेती से आएगा क्रांतिकारी बदलाव : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों से किया आह्वान

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों से प्राकृतिक खेती को अपनाने और इसे बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह केवल किसानों की लागत को कम नहीं करता, बल्कि मिट्टी की सेहत, जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक है। प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक लिंक्डइन अकाउंट पर विस्तृत लेख साझा किया, जिसमें उन्होंने हाल ही में कोयंबटूर में आयोजित साउथ इंडिया नेचुरल फार्मिंग समिट 2025 के अनुभव और प्राकृतिक खेती की संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

कोयंबटूर सम्मेलन और किसानों से मुलाकात

प्रधानमंत्री ने अपने लेख में बताया कि उन्होंने कुछ महीने पहले तमिलनाडु के किसानों के एक समूह से मुलाकात की थी, जिन्होंने प्राकृतिक खेती के नवाचारी तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। किसानों के आमंत्रण पर उन्होंने 19 नवंबर को कोयंबटूर में सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक रूप से एमएसएमई हब माने जाने वाले कोयंबटूर में प्राकृतिक खेती पर ऐसा विशाल आयोजन, कृषि जगत में नई सोच और आत्मविश्वास का प्रतीक है।

प्राकृतिक खेती : परंपरा-विज्ञान का संगम

प्रधानमंत्री ने लिखा कि प्राकृतिक खेती भारत की प्राचीन कृषि परंपरा और आधुनिक पारिस्थितिक सिद्धांतों का संयोजन है। इसमें रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों का उपयोग नहीं किया जाता। फसल, पेड़ और पशुधन को सहजीवी रूप से विकसित होने दिया जाता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता और जैव विविधता बढ़ती है।